शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

सिवनी

राष्ट्रबाण

संपादक : संजय बघेल

बुधवार 11 फरवरी 2026 E-PAPER: www.rashtrabaan.in • वर्ष : 10 • अंक : 286 • पृष्ठ : 06 • मूल्य : 5.00 रुपए www.facebook.com/rashtrabaan www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

बाबा सिद्दीकी मर्डर केस में 27 आरोपियों पर चार्ज तय

मुंबई। मुंबई की MCOCA स्पेशल कोर्ट ने महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और NCP नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में 27 आरोपियों पर चार्ज तय कर दिए हैं। सभी आरोपियों ने खुद को बेगुनाह बताया है। कोर्ट ने MCOCA, BNS, आर्म्स एक्ट और महाराष्ट्र पुलिस एक्ट की धाराओं में आरोप लगाए हैं। कोर्ट ने बताया कि चार्ज तय करना ट्रायल का पहला चरण होता है, जिसमें सबूतों के आधार पर आरोपों को औपचारिक रूप दिया जाता है। इस मामले में सभी आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट पहले ही दाखिल की जा चुकी है।

असम सीएम सरमा ने कांग्रेस नेताओं पर मानहानि केस किया

दिसपुर। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस नेताओं के आरोपों को झूठा और गलत बताते हुए कहा कि उनके खिलाफ जानबूझकर गलत बातें फैलाई जा रही हैं। इसी को लेकर सीएम सरमा ने कांग्रेस नेताओं जितेंद्र सिंह, भूपेश बघेल और गौरव गोगोई के खिलाफ 500 करोड़ रुपए का मानहानि का केस किया है। 4 फरवरी को असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने दावा किया था कि मुख्यमंत्री और उनके परिवार ने राज्य में करीब 12 हजार बीघा जमीन पर कब्जा किया है। इसके बाद अन्य कांग्रेस नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ये आरोप लगाए। गोगोई ने सरमा पर मुसलमानों के खिलाफ भड़काऊ बयान देने का भी आरोप लगाया था।

सुनेत्रा पवार ने महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री का पदभार संभाला

मुंबई। महाराष्ट्र की डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार आज उपमुख्यमंत्री का पदभार संभाला। पदभार संभालने से पहले वह एनसीपी नेताओं प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे और अन्य साथियों के साथ सिद्धिविनायक मंदिर और दादर चैत्यभूमि पहुंची। सुनेत्रा पवार ने 31 जनवरी को उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। 28 जनवरी को पुणे के बारामती में डिप्टी सीएम अजित पवार का विमान दुर्घटना में निधन हो गया था। इसके बाद यह पद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को दिया गया।

राष्ट्रबाण

अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए

सिर्फ 100 रुपए महीना

संपर्क : 7000427433

एमपी की बिजली कंपनियों पर 49 हजार करोड़ कर्ज

प्रदेश के तीन डिस्कॉम 71 हजार करोड़ के घाटे में, मप्र 'अस्थिर' राज्यों की लिस्ट में पहुंचा

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

देश की बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) ने भले ही वित्तीय वर्ष 2024-25 में पहली बार मुनाफा कमाया हो, लेकिन मध्य प्रदेश की बिजली वितरण कंपनियां अब भी भारी कर्ज के बोझ तले दबी हुई हैं। केंद्र सरकार के अनुसार मध्य प्रदेश की डिस्कॉम पर 31 मार्च 2025 तक 49,239 करोड़ रुपए का कर्ज है, जबकि राज्य में 71,394 करोड़ रुपए का संचयी घाटा दर्ज किया गया है। यह जानकारी बिजली राज्य मंत्री श्रीपाद नाइक ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में दी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक मध्य प्रदेश की तीनों बिजली वितरण कंपनियों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

संचयी घाटा क्या होता है?

संचयी घाटा का मतलब है बिजली कंपनियों को हर साल जो नुकसान होता गया, वह जुड़ता चला गया और सालों बाद एक बड़ी रकम बन गया। उदाहरण के तौर पर अगर किसी कंपनी को एक साल 5 हजार करोड़ का नुकसान हुआ। अगले साल 7 हजार करोड़ का और फिर 10 हजार करोड़ का तो यह सभी नुकसान मिलकर जो कुल रकम बनती है, वही संचयी घाटा कहलाती है। यानी आज अगर मुनाफा भी हो जाए, तो पुराने घाटे अपने-आप खत्म नहीं होते।

देनदारी 'अस्थिर' राज्यों में शामिल मप्र

केंद्र सरकार ने बताया कि जिन छह राज्यों की डिस्कॉम देनदारी को नियामक द्वारा 'अस्थिर' माना गया है, उनमें मध्य प्रदेश भी शामिल है। छह राज्यों (उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और तमिलनाडु) पर देश के कुल डिस्कॉम कर्ज का 66 प्रतिशत हिस्सा है। इन राज्यों की कुल अस्थिर देनदारी करीब 2.74 ट्रिलियन रुप, बताई गई है।

देश स्तर पर मुनाफा, एमपी में सुधार की चुनौती

राष्ट्रीय स्तर पर डिस्कॉम ने वर्ष 2025 में 2,701 करोड़ रुपए का कर पश्चात मुनाफा दर्ज किया है, लेकिन मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में पुराने घाटे और कर्ज की भरपाई अब भी बड़ी चुनौती बनी हुई है।

सुधार योजनाओं से उम्मीद

केंद्र सरकार ने बताया कि डिस्कॉम की वित्तीय हालत सुधारने के लिए संशोधित वितरण क्षेत्र योजना (RDSS) लागू की गई है, जिसमें फंडिंग को राज्यों के प्रदर्शन से जोड़ा गया है। साथ ही राज्यों को GSDP के 0.5 प्रतिशत तक अतिरिक्त उधारी की अनुमति भी दी गई है, बशर्ते बिजली क्षेत्र में संरचनात्मक सुधार किए जाएं।

सबसे ज्यादा हानि (संचयी घाटा) वाले राज्य

तमिलनाडु – 1,19,153 करोड़
उत्तर प्रदेश – 1,00,858 करोड़
राजस्थान – 90,303 करोड़
मध्य प्रदेश – 71,394 करोड़
महाराष्ट्र – 35,671 करोड़

डिस्कॉम पर सबसे ज्यादा कर्ज वाले टॉप-5 राज्य

राजस्थान – 98,488 करोड़
महाराष्ट्र – 90,659 करोड़
आंध्र प्रदेश – 77,583 करोड़
उत्तर प्रदेश – 61,395 करोड़
तमिलनाडु – 1,01,782 करोड़

लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस पेश

ओम बिरला का लोकसभा में ना जाने का फैसला; 9 मार्च को प्रस्ताव पर चर्चा होगी

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

विपक्ष ने मंगलवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस पेश कर दिया। इसमें 118 सांसदों के हस्ताक्षर हैं। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि ओम बिरला अब लोकसभा नहीं जाएंगे। अविश्वास प्रस्ताव के गिरने के बाद ही वह स्पीकर की चेयर संभालेंगे।

एजेंसी के मुताबिक विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर सदन में 9 मार्च को चर्चा हो सकती है। 13 फरवरी को बजट सत्र के वर्तमान सेशन का आखिरी दिन है। इसके बाद 8 मार्च से सदन की कार्यवाही फिर से शुरू होगी। इससे पहले बजट सत्र के 10वें दिन संसद दो बार स्थगित हुई। दोपहर 2 बजे से संसद की कार्यवाही शुरू हो सकी। शशि थरूर ने बजट पर चर्चा की शुरुआत की।

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी बोले- बीजेपी चौथी बार भी बंगाल में हारेगी

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने संसद में कहा कि बीजेपी को तीन बार बंगाल में हार देखनी पड़ी है। चौथी बार भी देखेंगे। सरकार ने बंगाल को बेहद कम फंड दिया। हम आपके सामने नहीं झुकेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार एजेंसी से हमे परेशान कर रही है लेकिन हम इसका भी जवाब देंगे, आप फाइल सीज रहे हैं, बजट रोक रहे हैं लेकिन बंगाल आगे बढ़ेगा। बंगाल के लेबर को लेबर नहीं सस्पेक्ट की तरह देखा जा रहा है।

बनर्जी ने कहा कि इन्हें मणिपुर पहुंचने में 2 साल लग गए। ये हर जगह गए लेकिन मणिपुर नहीं। कुछ चीजें बजट से ऊपर होती हैं पर आप ये नहीं समझेंगे। ये भूल गए हैं कि संविधान की शुरुआत हम भारत के लोग से होती है। उन्होंने कहा कि आप किसी के साथ गलत नहीं कर सकते। संविधान आपको रोकेगा। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने संसद में कहा कि ये सरकार बजट लाई केवल अमीरों के लिए। कॉर्पोरेट को रेड कार्पेट दे रहे हैं और गरीबों के लिए कोई योजनाएं नहीं हैं। उन्होंने कहा कि स- से डील अमेरिका के किसानों को फायदा पहुंचाएगी। सरकार ने भारत के किसानों को अकेला छोड़ दिया।

पेंगुइन बोली- कोई भी हिस्सा पब्लिक नहीं किया

राहुल का यह बयान पब्लिशिंग कंपनी पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया के उस क्लैरिफिकेशन के बाद आया, जिसमें कहा गया कि नरवणे की किताब अभी तक पब्लिश नहीं हुई है। पब्लिशिंग के सभी राइट्स हमारे पास हैं। पेंगुइन कंपनी ने कहा- अब तक किताब की न तो कोई छपी हुई और न ही डिजिटल कॉपी सामने आई है। हमारी तरफ से किताब का कोई भी हिस्सा कहीं भी सार्वजनिक नहीं किया गया है। कंपनी की सफाई इसलिए आई, क्योंकि बुक की अनऑथॉराइज्ड कॉपियों के लीक और ऑनलाइन सर्कुलेशन का दावा है। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने एफआईआर भी दर्ज की है। दरअसल, राहुल गांधी पूर्व आर्मी चीफ की किताब लेकर लोकसभा पहुंचे थे। पूरा विपक्ष इस बात पर अड़ा है कि उन्हें सदन में बोलने दिया जाए।

आदिवासी इलाकों में 2.38 लाख सिकल सेल एनीमिया के मरीज

राज्यसभा में स्वास्थ्य राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि 3 फरवरी तक देश भर के आदिवासी बहुल इलाकों में 6.83 करोड़ से ज्यादा लोगों की सिकल सेल एनीमिया के लिए स्क्रीनिंग की गई है। इनमें से लगभग 2.38 लाख लोग इस बीमारी से इन्फेक्टेड पाए गए, जबकि 19.32 लाख से ज्यादा लोगों की पहचान कैरियर के तौर पर हुई।

बाबरी ढांचा कयामत के दिन तक नहीं बनेगा

जो कानून तोड़ेगा उसे जहन्नुम मिलेगा, कायदे से रहना सीख लो : सीएम योगी

राष्ट्रबाण | बाराबंकी | एजेंसी
rashtrabaan.in

***कयामत** की रात कभी नहीं आएगी, इसलिए बाबरी मस्जिद का पुनर्निर्माण कभी संभव नहीं है। जो लोग कयामत के दिन का सपना देख रहे हैं, वे ऐसे ही सड़-गल जाएंगे। ऐसे लोगों से कहना चाहेंगे कि कयामत के दिन के लिए मत जियो। हिंदुस्तान में कायदे से रहना सीखो, क्योंकि कायदे में रहोगे तो फायदे में रहोगे। जो कानून तोड़ेगा, वो सीधे जहन्नुम में जाएगा।*

यह बात सीएम योगी ने मंगलवार को बाराबंकी में कही। उन्होंने कहा- ये डबल इंजन की सरकार है। हम लोगों ने कहा था ना, रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। बन गया न मंदिर। कोई संदेह है। राम को भूल जाते हैं, इसलिए भगवान राम भी उनको भूल चुके हैं। अब उनकी नैया कभी पार नहीं होगी। उन्हें कभी आगे नहीं बढ़ना। रामद्रोहियों के लिए अब कोई जगह नहीं। जो रामभक्तों पर गोली चला रहे थे, अब इन लोगों के लिए कोई जगह नहीं। राम सबके हैं, इसमें भेद नहीं। कुछ अवसरवादी राम को भूल जाते हैं।

2017 से पहले कोई सुरक्षित नहीं था

योगी बाराबंकी में श्री हनुमत विराट महायज्ञ एवं श्रीरामार्चा पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। यज्ञ मंडप में आहुति दी। इस दौरान संत बलराम दास ने मखाने और लावा की माला पहनाकर योगी का स्वागत किया।

इसके बाद योगी ने कहा- हम सब भारतीय एक भारत श्रेष्ठ भारत का निर्माण करें। 2017 से पहले कोई सुरक्षित नहीं था। पहले गरीबों की जमीन पर कब्जा हो जाता था। सरकार बदलते ही सारी अराजकता गायब हो गई। हमारी सरकार में सब सुरक्षित हैं।

योगी ने कहा- बेटी सुरक्षित होगी, तो समाज अपने आप सुरक्षा का एहसास करेगा। व्यापारी सुरक्षित होगा, तो तरक्की होगी। पहले वेतन देने का पैसा नहीं होता था। आज सभी को वेतन समय पर मिल रहा। सरकार करोड़ों लोगों को पेंशन दे रही है। आज प्रदेश तरक्की कर रहा है।

मोदीजी आए तो गरीबों को घर मिले

योगी ने कहा- पहले गरीबों के घर नहीं बन पाए। मोदीजी आए, तो यूपी के 60 लाख गरीबों को प्रधानमंत्री आवास मिले। पहले गांवों में बिजली नहीं थी, सड़कों पर गंदगी थी। अब घर-घर शौचालय बन गए। साफ पानी मुहैया कराया जा रहा है। पहले बिजली नहीं मिलती थी। कुछ चुनिंदा जिलों को ही बिजली मिलती थी। अब सभी 75 जिलों को बिजली मिल रही। पहले की सरकारों में शौचालय नहीं थे। लोगों को मुंह बंद करके खेतों में जाना पड़ता था। आज हर घर में शौचालय है। अब बहन-बेटियों को बाहर नहीं पड़ता। बेटियों के जन्म से लेकर शादी का खर्च भी सरकार कर रही है। ये समाज की जिम्मेदारी है।

मणिपुर के उखरुल में पांच दिन के लिए इंटरनेट बंद

उपद्रवियों ने 25 घर और चार सरकारी क्वार्टर फूंके, जिले में कर्फ्यू लागू

राष्ट्रबाण | इंफाल | एजेंसी
rashtrabaan.in

मणिपुर में नई सरकार बनने के एक हफ्ते के भीतर ही हिंसा भड़क गई। उपद्रवियों ने उखरुल जिले के लितान सरेइखोंग गांव में 25 घर और चार सरकारी क्वार्टर में आग लगा दी। हिंसा के बाद पूरे जिले में कर्फ्यू लागू कर दिया गया। 10 फरवरी की सुबह 11:30 बजे से अगले पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। तांगखुल और कुकी जनजातियों के बीच हिंसक झड़प के बाद इलाके में सिक्योरिटी फोर्स मौजूद हैं।

हिंसा की शुरुआत 7 फरवरी की शाम लितान सरेइखोंग में हुए एक शराब के नशे में झगड़े से हुई थी, जिसमें तांगखुल नागा समुदाय के स्टर्लिंग नाम के व्यक्ति के साथ मारपीट हुई थी। उखरुल जिले के लितान इलाके के आसपास गांवों में उपद्रवियों ने कई घरों में आग लगा दी। पुलिस ने बताया कि हिंसा के दौरान राइफल से गोलियां भी चलाई गई।

शबाना महमूद ब्रिटेन की पहली मुस्लिम प्रधानमंत्री बन सकती हैं : कश्मीर मूल की हैं

एपस्टीन फाइल्स विवाद से पीएम स्टार्मर की कुर्सी खतरे में

राष्ट्रबाण | लंदन | एजेंसी
rashtrabaan.in

अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े विवादों के कारण ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की कुर्सी खतरे में है। अब उनकी अपनी लेबर पार्टी के एक धड़े ने ही इस्तीफे की मांग कर दी है। हालांकि स्टार्मर अभी पद छोड़ने से इनकार कर रहे हैं।

इस बीच, नए प्रधानमंत्री पद की होड़ में गृह मंत्री शबाना महमूद

के साथ ही स्वास्थ्य मंत्री वेस्ट स्ट्रीटिंग और पूर्व उपप्रधानमंत्री अंगेला रेनर का नाम सामने आ रहा है। कश्मीरी मूल की शबाना महमूद पीओके के मीरपुर से हैं। वह ब्रिटेन की गृह मंत्री बनने वाली पहली मुस्लिम महिला हैं। अगर वह प्रधानमंत्री बनती हैं, तो ब्रिटेन की पहली मुस्लिम प्रधानमंत्री भी होंगी।

दरअसल, ब्रिटेन में एपस्टीन फाइल से जुड़े विवाद की वजह से पीएम स्टार्मर के सबसे भरोसेमंद सहयोगी और डाउनिंग स्ट्रीट के चीफ ऑफ स्टाफ मॉर्गन मैकस्वीनी को इस्तीफा देना पड़ा है।

मैकस्वीनी पर आरोप है कि उन्होंने यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन का समर्थन करने वाले पीटर मंडेलसन को अमेरिका में ब्रिटेन का राजदूत बनाकर भेजा था। मैकस्वीनी ने भी माना है कि यह नियुक्ति गलत थी।

टी-20 वर्ल्डकप- भारतीय खिलाड़ी परिवार के साथ नहीं रहेंगे : मैनेजमेंट ने मंजूरी मांगी थी

बीसीसीआई बोला- खुद के खर्च पर अलग रह सकते हैं

राष्ट्रबाण | स्पोर्ट्स डेस्क
rashtrabaan.in

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान भारतीय क्रिकेटर अपने परिवार (पत्नियां और मंगेतर) के साथ नहीं रह सकेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम मैनेजमेंट की उस मांग को खारिज कर दिया है, जिसमें खिलाड़ियों की पत्नियों और मंगेतरों को टीम होटल में साथ ठहराने की अनुमति मांगी गई थी।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों के परिवार को टीम के साथ ठहरने की इजाजत नहीं है। हालांकि, यदि कोई खिलाड़ी चाहे तो अपने परिवार के लिए होटल में अलग ठहरने की व्यवस्था खुद कर सकता है। इसकी पूरी जिम्मेदारी उसे उठानी होगी। इसके लिए बीसीसीआई की ओर से कोई इंतजाम नहीं किया जाएगा।

भारत टी-20 वर्ल्ड कप का सह-मेजबान है। बीसीसीआई का मानना है कि टीम को केवल पाकिस्तान से मुकाबले के लिए श्रीलंका जाना है। ऐसे में खिलाड़ियों को परिवार के साथ रहने की जरूरत नहीं है।

यहां पूर्वोत्तर की पहली इमरजेंसी एयरस्ट्रिप बनी; पीएम 14 फरवरी को इसका उद्घाटन करेंगे

मोदी का प्लेन असम में हाईवे पर उतर सकता है

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 फरवरी को असम के मोरान में हाईवे पर बनी इमरजेंसी एयरस्ट्रिप पर उतर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यदि ऐसा होता है तो यह पूर्वोत्तर भारत में पहली बार होगा जब किसी पीएम का प्लेन पारंपरिक एयरपोर्ट की बजाय हाईवे पर लैंड करेगा। यह एयरस्ट्रिप नेशनल हाईवे (एनएच) 127 के डिब्रूगढ़-मोरान हिस्से पर बनाई गई है।

पीएम की मौजूदगी में राफेल और सुखोई लड़ाकू विमान एक

स्पेशल एरियल डेमो करेंगे। इसमें विमान हाईवे से ही लैंडिंग और टेकऑफ दिखाएंगे। डेमो करीब 30-40 मिनट का होगा।

असम मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने उम्मीद जताई कि पीएम मोदी फाइटर एयरक्राफ्ट में मोरन हाईवे पर उतरेंगे। मुख्य सचिव रवि कोटा ने कहा कि 14 फरवरी को प्रधानमंत्री 4.4 द्वद्व के एयरस्ट्रिप के उद्घाटन के लिए मोरन आएंगे।

यह कार्यक्रम भारत की आपदा तैयारी, पूर्वोत्तर विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा को दर्शाएगा। पीएम की यात्रा सिविल-मिलिट्री दोहरे उपयोग वाले इंफ्रास्ट्रक्चर और डेमो एयरस्ट्रिप की क्षमता पर फोकस करेगी। राफेल और सुखोई भारतीय वायुसेना के प्रमुख लड़ाकू विमान हैं। भारत में ELF का विचार इमरजेंसी हालात के लिए है। युद्ध में अगर एयरपोर्ट क्षतिग्रस्त हो जाएं तो हाईवे विकल्प बन सकते हैं।

असम में बनी पूर्वोत्तर की पहली इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी

मोरान एयरस्ट्रिप एनएच-127 के 4.4 किलोमीटर लंबे हिस्से पर बनाई गई है। यह भारत की पहली इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी है, जो सेना और सिविल विमानों दोनों के लिए इस्तेमाल की जा सकती है। ELF का मतलब है कि युद्ध या आपात स्थिति में विमान हाईवे पर उतर या उड़ान भर सकते हैं। इससे सड़क का दोहरा फायदा होता है। रोजमर्रा की ट्रैफिक के साथ-साथ सैन्य जरूरतों के लिए। यह एयरस्ट्रिप पूर्वोत्तर की रणनीतिक महत्व को बढ़ाती है, क्योंकि यह क्षेत्र चीन की सीमा से सटा है। सरकार ने राजस्थान, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और अन्य जगहों पर भी ELF बनाए हैं। मोरान ELF पूर्वोत्तर को मजबूत बनाने का हिस्सा है, जहां इंफ्रास्ट्रक्चर विकास पर जोर है। सरकार ने ऐसे कई ELF पूरे देश में विकसित किए हैं, लेकिन मोरान पूर्वोत्तर का पहला है।

सकारात्मकता को चुनते हैं देश और दुनिया के युवा लीडर्स

जीवन के और हमारे मन के भी दो पहलू होते हैं। हम या तो सकारात्मक होते हैं या नकारात्मक। यदि हम सकारात्मक होना चुनते हैं, तो यह आशा और आत्मविश्वास जगाता है। हम खुद पर भरोसा करना सीख लेते हैं। हम स्वप्रेरित होते हैं और दूसरों के लिए भी प्रेरणा बन जाते हैं। देश और दुनिया के युवा लीडर्स इन्हीं बातों पर जोर देते हैं।

जानी-मानी फैशन स्टाइलिस्ट हैं अमी पटेल। वे काजोल, लारा दत्ता, आलिया भट्ट, अक्षय कुमार और ऐसे ही कई दिग्गज बॉलीवुड स्टार्स के फैशन, उनके स्टाइल को मेंटेन रखने का काम करती हैं। उनके मुताबिक, स्टाइल फीका है यदि आपकी बॉडी लैंग्वेज, आपका चेहरा साथ नहीं दे रहा। यदि आप खुद अव्यवस्थित या कंफ्यूज रहते हैं, तो फैशन से इसे बदलना मुश्किल है। विचार आपका आईना हैं, यह ध्यान रखें। फिर आप जो भी पहनेंगे, लोग देखते रह जाएंगे। अमी खुद एक मेडिटेशन टीचर भी हैं और सोच को सकारात्मक बनाए रखने के लिए इसे बहुत जरूरी मानती हैं। उनके मुताबिक, हमें वह सब करना चाहिए, जिसकी वजह से हमारी सकारात्मक सोच को बनाए रखने में मदद मिल सके।

सीखने की ललक

जस्ट डायल के सीईओ वीएसएस मणि की सक्सेस स्टोरी भी कुछ इसी तरह की है। इसका सार यह है कि यदि आप विपरीत परिस्थिति में भी अपनी सोच को सकारात्मक बनाए रखने में सक्षम होते हैं, तो आपकी मंजिल ज्यादा दूर नहीं। वे कहते हैं, जब मैंने इस बिजनेस आइडिया के बारे में सोचा था, तो भारत में इंटरनेट का इतना प्रभाव नहीं था। एक तो मुश्किल आइडिया, उस पर घर की माली हालत खराब। काम शुरू करना है, तो पैसा चाहिए ही, सो मैंने दूसरे कामों के साथ जुड़कर घर की जिम्मेदारी भी संभाली और अपने बिजनेस आइडिया पर भी चुपचाप काम करता रहा। मणि आज भी अपने बिजनेस को 20 साल पुराना स्टार्ट-अप ही कहते हैं। उनके अनुसार, इससे सीखने की ललक बनी रहती है। जब तक यह इच्छा रहेगी, आपकी सोच भी सकारात्मक रहेगी। सकारात्मक लोग हमेशा कुछ-न-कुछ करते-सीखते रहते हैं।

समस्याओं से न भागें

मुझसे लोग हमेशा पूछते हैं कि आप तमाम जिम्मेदारियों से उपजे स्ट्रेस के बीच कुंठित क्यों नहीं होते, गुस्सा क्यों नहीं आता? मेरा जवाब होता है, आप इसके अलावा यह भी तो कह सकते हैं कि आप कितने पॉजिटिव हैं! यह कहना है ब्रैंडन वैलेस का। वे अमेरिकी सरकार में पॉलिसी एडवाइजर के तौर पर कार्यरत हैं। अपनी सरकारी जिम्मेदारियों के अलावा, वे युवाओं से जुड़े मसलों पर भी सक्रिय हैं। खास तौर पर इस दिशा में कि युवाओं को शांति और सामाजिक बदलाव में योगदान देने के लिए कैसे प्रेरित किया जाए। वे कहते हैं, कोई समस्या आपके सामने आती है, तो दो ही विकल्प होते हैं आपके पास। या तो आप समस्याओं से जूझें, दुख-दर्द का अनुभव करें या फिर इन सबका पूर्वानुमान लगाकर पलायन कर जाएं। मैं दर्द लेता हूं क्योंकि यह हमें अंतत: स्थिर करता है। हममें ठहराव लाता है और इस ठहराव का चयन हमेशा सकारात्मक मिजाज का व्यक्ति ही कर सकता है।

फोकस खुद पर

जिनकी सोच सकारात्मक होती है, वे हमेशा अपनी गलतियों की तरफ देखते हैं। उनमें सुधार के बारे में चिंतन करते हैं। वे रुकी हुई घड़ी को भी देखकर यह कहना जानते हैं कि देखो, यह घड़ी नहीं चल रही लेकिन यह रोज दो बार सही वक्त बता पाने में सक्षम है। ब्रिटेन की अभिनेत्री फागुन ठकरार बचपन से अभिनेत्री बनना चाहती थीं, पर उनके पैरेंट्स की इच्छा थी कि वे डॉक्टर बनें। वे डॉक्टर बनीं भी, मगर बाद में कड़ी मेहनत करते हुए उन्होंने अपना सपना भी पूरा किया। आज वे डॉक्टर ही नहीं, एक्टर, डायरेक्टर, राइटर और फैशन डिजाइनर भी हैं। बहुआयामी व्यक्तित्व की धनी फागुन कहती हैं, मैं इस बात की परवाह नहीं करती कि लोग क्या सोचेंगे। मैं हमेशा इसका ध्यान रखती हूं कि मैं अपना बेस्ट दे सकूं। अपने काम के दौरान मैंने बहुत सारी मुश्किलें झेली हैं। लीक से हटकर सोचना और करना आसान नहीं, लेकिन मेरे पास जादू की छड़ी है और वह है सकारात्मक सोच।

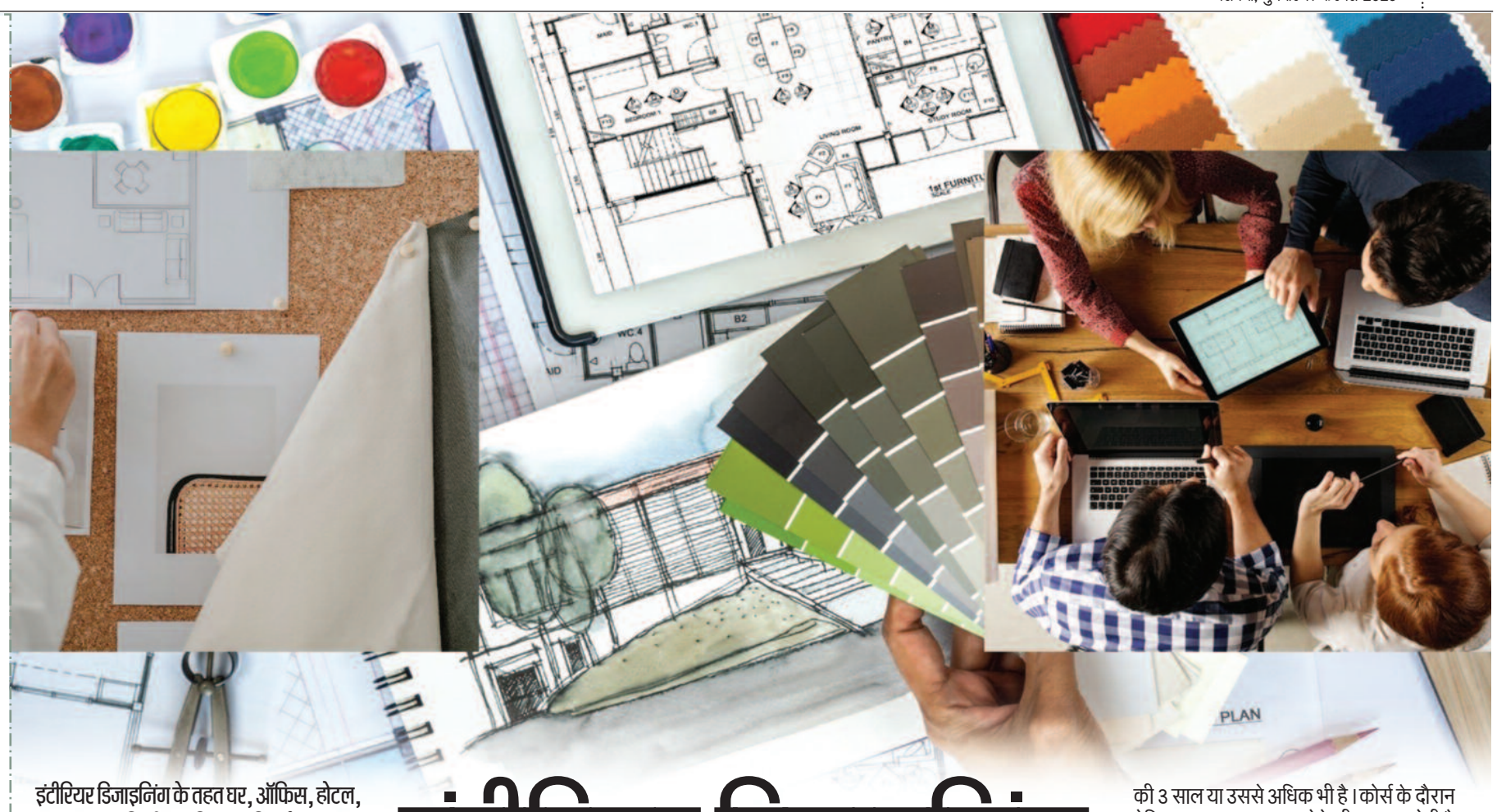

इंटीरियर डिजाइनिंग
प्रोफेशनल्स की बढ़ रही है मांग

इंटीरियर डिजाइनिंग के तहत घर, ऑफिस, होटल, शॉप, मॉल आदि की आंतरिक सुरुचिपूर्ण साज-सज्जा की जाती है। अपने घर को साफ-सुथरा रखने के साथ-साथ हर कोई उसे यथासंभव सजाकर भी रखना चाहता है। यही कारण है कि इंटीरियर डिजाइनिंग की मांग बढ़ रही है और इसका दायरा महानगरों से बढ़कर नगरों और कस्बों तक पहुंच चुका है। लोग न सिर्फ होटल, बिल्डिंग, दफ्तर, शोरूम और दुकानों की अंदरूनी सजावट कराना पसंद करते हैं, बल्कि घरों को भी अंदर से सजाने की खास ललक देखी जा रही है। यही कारण है कि इंटीरियर डेकोरेशन के लिए प्रशिक्षित इंटीरियर डिजाइनर्स की सेवाएं लेना आजकल आम बनता जा रहा है। यहां तक कि मेलों, प्रदर्शनियों, सामाजिक समारोहों के अलावा निजी समारोहों को सजाने के लिए भी ऐसे प्रोफेशनल्स की मांग बढ़ रही है। इस फील्ड में स्वरोजगार के लिए भी अनेक संभावनाएं मौजूद हैं।

संभावनाएं

इंटीरियर डिजाइनिंग से जुड़े प्रोफेशनल्स कंस्ट्रक्शन कंपनियों, आर्किटेक्चर फर्मों, प्रोडक्शन हाउस, मॉल, मल्टीप्लेक्स, थिएटर और इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों में काम करने के अलावा खुद का बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं। दिनो-दिन बदलती जीवनशैली और मॉडर्न होते समाज के बीच इंटीरियर डिजाइनर्स के लिए जॉब के अवसर आने वाले वर्षों में भी रहेंगे क्योंकि रियल एस्टेट सेक्टर आज भी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले 15 टॉप सेक्टर्स में शुमार है। देश में 100 स्मार्ट सिटी के निर्माण, वर्ष 2025 तक सभी के लिए लो-बजट मकानों का निर्माण और मेक इन इंडिया जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं की घोषणा से निर्माण क्षेत्र में और भी बूम आने का अनुमान है। नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएसडीसी) के अनुसार, वर्ष 2025 तक कंस्ट्रक्शन और रियल एस्टेट सेक्टर में युवाओं के लिए करीब 7 करोड़ जॉब के अवसर पैदा होंगे। ऐसे में इंटीरियर डिजाइनर्स को भी जॉब के ढेर सारे मौके मिलेंगे।

क्या है कार्य?

इंटीरियर डिजाइनिंग के अंतर्गत किसी भी भवन के अंदरूनी हिस्सों की सजावट की जाती है। किसी भी ऑफिस, घर, मॉल, रेस्तरां या कमर्शियल कॉम्प्लेक्स को अच्छे तरीके से डिजाइन करने का काम इंटीरियर डिजाइनर ही करते हैं। चूंकि आज के समय में एक सीमित जगह के बीच लोग सब कुछ अरेंज करना चाहते हैं, अपने इंटीरियर स्पेस को आकर्षक लुक देना चाहते हैं, ऐसे में डिजाइनर्स की प्राथमिकता यही होती है कि कैसे किसी होटल, रेस्तरां, शोरूम या दफ्तर को आकर्षक लुक दिया जाए। इसके लिए ऐसे प्रोफेशनल्स में प्लानिंग, डेकोरेशन, रेनोवेशन जैसी कला की अच्छी समझ होती है। आजकल इमारत के बाहरी हिस्सों को आकर्षक लुक देने की जिम्मेदारी भी यही प्रोफेशनल निभा रहे हैं, हालांकि वे लैंडस्केप डिजाइनर कहलाते हैं।

पर्सनल स्किल

चूंकि इंटीरियर डिजाइनिंग का क्षेत्र क्रिएटिविटी से ही जुड़ा है, इसलिए यहां कलात्मकता, रचनात्मकता, प्रबंधकीय दक्षता और नई-नई सोच रखने वाले लोगों की बहुत डिमांड है। इस क्षेत्र में आने के लिए तार्किक बुद्धि और कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छी होनी चाहिए, क्योंकि इंटीरियर डिजाइनर को अक्सर अपनी प्लानिंग और हुनर को क्लाइंट के सामने प्रस्तुत भी करना होता है। टीम भावना भी इस फील्ड के लिए बहुत जरूरी है, क्योंकि डिजाइनर्स को बिल्डर्स, आर्किटेक्ट, कॉन्ट्रैक्टर्स, प्लंबर, कारपेंटर, इलेक्ट्रिशियन आदि के साथ सामंजस्य बिठाकर काम करना होता है। कुशल प्रोफेशनल बनने के लिए बदलते ट्रैंड के अनुसार काम में बदलाव भी लाते रहना जरूरी होता है।

कोर्स व क्वॉलिफिकेशन

इंटीरियर डिजाइनर्स की डिमांड इतनी है कि देश भर में अनेक सरकारी और निजी संस्थानों में इसके डिग्री, पीजी डिप्लोमा और डिप्लोमा कोर्स संचालित हो रहे हैं। मैनेजमेंट एंड डिजाइन एकेडमी, दिल्ली के डायरेक्टर रोहित माथुर के अनुसार, आप 12वीं के बाद इस तरह का कोर्स कर सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश एंट्रेंस एग्जाम के जरिए मिलता है। इंटीरियर डिजाइनिंग अपने आप में एक स्पेशलाइज्ड कोर्स है, जिसमें बिल्डिंग की आंतरिक और बाहरी साज-सज्जा, प्लानिंग और बनावट के हिसाब से बेहतर लुक देने के बारे में युवाओं को सिखाया जाता है। मगर आप चाहें, तो ऑफिस डिजाइनिंग, बिजनेस डिजाइनिंग, रूम डिजाइनिंग, किचन डिजाइनिंग या होम डेकोर में भी विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं।

सरकारी और निजी संस्थानों में कई तरह के कोर्स हैं, जैसे- बैचलर इन इंटीरियर डिजाइन, ग्रेजुएट डिप्लोमा इन फर्नीचर एंड इंटीरियर, बीए ऑनर्स इंटीरियर आर्किटेक्ट एंड डिजाइन, ग्रेजुएट डिप्लोमा इन इंटीरियर स्पेस एंड फर्नीचर डिजाइन, बीएससी इन इंटीरियर डिजाइनिंग, अंडर ग्रेजुएट प्रोफेशनल डिप्लोमा प्रोग्राम, एडवांस डिप्लोमा इन इंटीरियर डिजाइन, डिप्लोमा इन इंटीरियर डिजाइन आदि। कुछ पाठ्यक्रमों की अवधि 1 साल, तो कुछ की 3 साल या उससे अधिक भी है। कोर्स के दौरान प्रेक्टिकल पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत होती है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- मैनेजमेंट एंड डिजाइन अकेडमी, नई दिल्ली
- दिल्ली स्कूल ऑफ डिजाइन, दिल्ली
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीरियर एंड फैशन टेक्नोलॉजी, भुवनेश्वर

सैलरी पैकेज

इंटीरियर डिजाइनिंग का कोर्स पूरा करने के बाद युवाओं को किसी अनुभवी प्रोफेशनल के साथ कुछ महीनों तक प्रेक्टिस करके अनुभव हासिल करना चाहिए। शुरूआती दौर में फ्रेशर्स की सैलरी 15 हजार रुपए प्रति माह हो सकती है लेकिन कुछ वर्षों के अनुभव के बाद ऐसे प्रोफेशनल्स 50 हजार से 1 लाख रुपए प्रति माह तक कमा लेते हैं। खुद का काम करके भी प्रोफेशनल्स अच्छी कमाई कर सकते हैं।

प्रोफेशनल लाइफ में बनना है कॉन्फिडेंट तो अपनाएं ये टिप्स

हमारा आत्मविश्वास जीवन में एक अहम भूमिका निभाता है, फिर चाहे हमारा कार्यक्षेत्र कोई भी हो। जिन लोगों में आत्मविश्वास की कमी होती है, उन्हें अक्सर असफलता का सामना करना पड़ता है। इसके विपरीत आत्मविश्वास से भरे लोग जीवन के हर मोड़ पर बेहतर प्रदर्शन करते हुए सफलता प्राप्त करते हैं। प्रोफेशनल लाइफ में भी आत्मविश्वास बहुत महत्वपूर्ण है तो आइए जानते हैं कि कैसे आत्मविश्वास को विकसित किया जाए।

- सबसे पहले तो आप अपना टारगेट बनाएं कि आपको क्या करना है। फिर उस टारगेट की ओर बढ़ना शुरू कर दें।
- आप देखें कि अभी तक आपने अपने जीवन में क्या पाया है और जो पाया है, उसे पाने के लिए आपने क्या प्रयास किए थे। एक डायरी में अपने अचीवमेंट लिख लीजिए।
- अपनी क्षमता का पता लगाइए। यह देखें कि आपके मित्र आपकी किस बात की तारीफ करते हैं। याद रखें, आपकी तारीफ जिस चीज को लेकर होती हो, वही आपकी ताकत हो सकती है।
- क्षमता पता चलने पर अपना टारगेट उसके अनुसार बनाएं। अपने दिमाग को सिर्फ अपने टारगेट पर फोकस करें। बार-बार उसी के बारे में सोचें।
- खुद से वादा करें कि आपने जो टारगेट बनाया है, आप उसमें सफल होकर रहेंगे।
- आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए अपने ज्ञान को बढ़ाना होगा। जब तक आपके पास ज्ञान नहीं है, आपका आत्मविश्वास बस एक दिखावा ही साबित होगा।
- अपने नकारात्मक पहलुओं को पहचानें और उन्हें दूर करने का प्रयास करें। आपके मन में बस एक ही बात होनी चाहिए कि आप यह काम कर सकते हैं।
- अपने अंदर धैर्य विकसित करें। धैर्य न सिर्फ आपको तनाव से बचाता है, बल्कि यह आपका आत्मविश्वास भी बढ़ाता है।
- खुद की तुलना दूसरों से कभी न करें। आप जो भी हैं, जैसे हैं, बहुत अच्छे हैं। बस, खुद को आगे बढ़ाने वाले प्रयास में कभी ढील न दें।
- गलतियां इंसान से ही होती हैं, पर वे गलतियां बार-बार न हों, इसका खास खयाल रखें। गलतियां सुधारने से आपके व्यक्तित्व में कुछ जुड़ता है, जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है।

एडवेंचर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में खुलने लगे हैं नई संभावनाओं के द्वार

रोडीज और खतरों के खिलाड़ी जैसे शोज ने युवाओं को रोमांच के प्रति आकर्षित किया है। युवा इनमें अपना भविष्य देख रहे हैं। भारत में जैसे-जैसे लोगों की आय में वृद्धि हुई है, उनके घूमने-फिरने के शौक में भी बढ़ोतरी होती जा रही है। ऐसे में एडवेंचर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में करियर की कई नई संभावनाओं के द्वार खुलने लगे हैं।

वे दिन चले गए, जब पहाड़ों पर घूमने-फिरने के लिए गर्मी का इंतजार किया जाता था। अब तो पूरे साल पहाड़ों और दुर्गम जगहों पर जाया जा सकता है। इन्हीं पहाड़ों पर कभी बर्फ से भरे रास्तों पर ट्रेकिंग होती है, तो कभी उफनती नदी में राफ्टिंग या फिर साफ मौसम में पैराग्लाइडिंग। रोमांच और जुनून से भरे इन कारनामों को करने के लिए जितनी हिम्मत की जरूरत होती है, उससे कहीं ज्यादा लगन और मेहनत इन्हें सीखने में लगती है।

विदेशों में तो काफी युवा इस क्षेत्र में उतरते हैं, पर भारत में अभी इसे हॉट करियर ऑप्शन के तौर पर नहीं लिया जाता है। इस क्षेत्र में आने पर न केवल आपका घूमनेफिरने का शौक पूरा होगा, बल्कि बढ़िया सैलरी पैकेज भी मिलेगा। भारत में भी जैसे-जैसे लोगों की आय में वृद्धि हुई है, उनके घूमने-फिरने के शौक में भी बढ़ोतरी होती जा रही है। अब केवल अपर क्लास ही नहीं, मिडिल क्लास की बड़ी आबादी भी साल में एक-दो बार रमणीय स्थानों पर घूमने निकल ही जाती है। इन टूरिस्ट स्पॉट्स पर एडवेंचर स्पोर्ट्स का काम भी काफी फल-फूल रहा है। इसी वजह से भारत में पिछले कुछ वर्षों से एडवेंचर स्पोर्ट्स की मांग बहुत तेजी से बढ़ी है। इसके साथ-साथ युवाओं में इस क्षेत्र के प्रति रुझान भी उसी अनुपात में बढ़ा है।

क्या हैं संभावनाएं?

इस क्षेत्र में एडवेंचर स्पोर्ट्स एक्सपर्ट या एडवेंचर स्पोर्ट्स ट्रेनर के तौर पर काफी संभावनाएं हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत दुनिया में टूरिस्ट हब के तौर पर उभरा है। इसकी वजह है भारत का विकसित देशों के मुकाबले सस्ता होना और यहां मौजूद प्राकृतिक विविधता। इसके अलावा भारत धार्मिक और स्वास्थ्य पर्यटन के लिए भी पसंदीदा जगह बनता जा रहा है। स्वास्थ्य लाभ के साथ लोग मानसिक शांति तलाशने के लिए भी भारत का रुख करते हैं। यहां के छोटे शहरों में खुलते मॉल, आसानी से उपलब्ध चीजें, शांतिप्रिय वातावरण और पश्चिम से अलग संस्कृति व जीवनशैली भी विदेशियों को आकर्षित करती है। हर साल भारत में 50 लाख से ज्यादा विदेशी पर्यटक आते हैं। केंद्र और राज्यों की सरकारें भी इस ओर खासा ध्यान दे रही हैं। स्पोर्ट्स एडवेंचर भारत की टूरिज्म इंडस्ट्री का अहम हिस्सा बन गए हैं।

एडवेंचर स्पोर्ट्स में प्रशिक्षित व्यक्तियों के लिए कई क्षेत्रों में जाने के तमाम मौके होते हैं। इनके अलावा केंद्र और विभिन्न राज्यों के पर्यटन विभागों में भी काम करने के अवसर मिलते हैं। ये संस्थान समय-समय पर अभियान आयोजित करते हैं। इनमें भी भाग लिया जा सकता है। भारत में कई निजी छोटी-बड़ी कंपनियां भी ऐसी हैं, जो एडवेंचर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में काम कर रही हैं। ये ट्रेकिंग अभियानों, जंगल सफारी, पर्वतारोहण अभियानों आदि के लिए साल भर प्रोग्राम आयोजित करती रहती हैं। अलग-अलग राज्यों में पर्यटन के लिए अलग-अलग समय मुफीद रहता है। इस वजह से साल भर काम मिलता रहता है। इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले लोग किसी हॉलीडे रिसोर्ट, कैंप, कमर्शियल रिक्रिएशन सेंटर, एथलेटिक क्लब आदि आदि से जुड़कर न सिर्फ इन स्पोर्ट्स का प्रचार कर सकते हैं, बल्कि लोगों को प्रशिक्षण देकर भी पैसे कमा सकते हैं।

काम आएंगीं ये बातें

एक प्रोफेशनल एडवेंचर स्पेशलिस्ट बनने के लिए सबसे पहले आपके भीतर इस क्षेत्र के प्रति लगाव होना जरूरी है। इसके अलावा आपके मन में नई जगहों पर जाने, नई चीजें एक्सप्लोर करने, सूझ-बूझ और सीखने-सिखाने में रुचि होना जरूरी है। किसी अच्छे संस्थान में ट्रेनिंग लेना भी जरूरी है। यह ऐसा क्षेत्र है, जिसमें निपुण न होने पर आप अपने प्रोफेशन और दूसरों के साथ अन्याय तो करेंगे ही, उनके लिए खतरा भी पैदा कर सकते हैं। एक अच्छे एडवेंचर स्पोर्ट्स ट्रेनर को इलाके की अच्छी भौगोलिक जानकारी होनी चाहिए। साथ ही उसमें वेदर ऑब्जरवेशन स्किल्स भी होनी चाहिए, ताकि किसी भी विपरीत मौसम के प्रति वह समय रहते सचेत हो जाए। इन सबके साथ ही उसमें लीडरशिप का गुण भी होना जरूरी है। जरूरत पड़ने पर, किसी आपात स्थिति में रेस्क्यू ऑपरेशन की जानकारी होना भी बेहद जरूरी है।

कहां जाएं, क्या करें?

इस कोर्स के लिए कम से कम 12वीं तक की पढ़ाई जरूरी है। आवेदक की उम्र 16 से 40 साल के बीच होनी चाहिए। वॉटर स्पोर्ट्स के लिए तैराकी आना जरूरी है। किसी एक विदेशी भाषा का ज्ञान भी जरूरी है क्योंकि इससे इस क्षेत्र में काफी फायदा होता है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, बुधवार 11 फरवरी 2026

शहडोल राष्ट्रबाण

• ब्यौहारी • जयसिंघनगर • सोहागपुर • गोहपारु • बुढार • जैतपुर

कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित हुई साप्ताहिक जनसुनवाई

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

कलेक्टर कार्यालय के सोन सभागार में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति ने जनसुनवाई में शहडोल जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनी तथा निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में ग्राम पठरा निवासी समनू कोल ने भू-अधिकार पटटा दिलाने, ग्राम खम्हरिया कला निवासी छत्रपाल विश्वकर्मा ने बिजली कनेक्शन जुड़वाने, ग्राम विचारपुर निवासी सुदीन बैगा ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रदाय की जा रही राशि दिलाने, ग्राम कल्याणपुर निवासी रमेश सोनी ने जाति प्रमाण पत्र बनवाने, वार्ड नम्बर 35 शहडोल निवासी कृष्णराज ने रोजगार दिलवाए जाने, ग्राम अमझोर निवासी पुष्पेंद्र सिंह ने ग्राम पंचायत सेमरा जलाशय में हुए अतिक्रमण को हटवाने संबंधी आवेदन जनसुनवाई में दिए। सीईओ जिला पंचायत ने प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर आवेदन प्रेषित कर शीघ्रता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में प्राप्त अन्य आवेदनों को भी कलेक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर प्रेषित कर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती एंटोनिया एक्का सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

कमिश्नर कार्यालय में आयोजित हुई जनसुनवाई

कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने संभाग के दूर-दराज से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनी और उनके निराकरण समय-सीमा में करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए।जनसुनवाई में जिला उमरिया के ग्राम मानपुर निवासी अश्वनी कुमार सोनी ने अनुकंपा नियुक्ति दिलवाने, जिला शहडोल के ग्राम टेटका निवासी इंद्रजीत गुप्ता ने आवासीय हक प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने, बुढार कालोनी निवासी बीपी तिवारी ने खसरे की जमीन में जिन लोगो ने अनाधिकृत आवास का निर्माण किया है उन्हें बेदखल करनें तथा भूमि स्वामी की जमीन सुरक्षित करने, सोहागपुर निवासी रामसुशील तिवारी ने नक्शा सुधार हेतु, ग्राम कल्याणपुर निवासी गुणनिधि गुप्ता ने नाली के कार्य का मूल्यांकन समिति बनाकर कराने एवं भुगतान पर रोक लगाने संबंधी आवेदन जनसुनवाई में दिए। कमिश्नर ने प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारी की ओर आवेदन प्रेषित कर शीघ्रता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार अन्य अवेदकों ने भी अपनी शिकायतें एवं समस्याओं संबंधी आवेदन कमिश्नर को दिए। जनसुनवाई में विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के विरोध में कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन, प्रशासन को सौंपा गया ज्ञापन

लोकतांत्रिक आवाज दबाने का आरोप, रिहाई नहीं हुई तो आंदोलन तेज करने की चेतावनी

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

मुख्यमंत्री के बुढ़ार आगमन के दौरान शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज व गिरफ्तारी की घटना के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी ने कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता पीयूष शुक्ला ने बताया कि जिला कांग्रेस अध्यक्ष अजय अवस्थी के नेतृत्व में हुए इस विरोध प्रदर्शन के बाद प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर गिरफ्तार कार्यकर्ताओं की तत्काल रिहाई की मांग की गई। धरने को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष अजय अवस्थी ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता जिले में बिगड़ती कानून व्यवस्था, पेयजल संकट और गौ-तस्करी जैसे जनहित के मुद्दों को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रख रहे थे, लेकिन शासन के दबाव में पुलिस द्वारा बल प्रयोग कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। उन्होंने इस कार्रवाई को अन्यायपूर्ण बताते हुए कहा कि यह लोकतंत्र की मूल भावना के विपरीत है। अजय अवस्थी ने स्पष्ट किया कि विरोध और असहमति व्यक्त करना विपक्ष का संवैधानिक अधिकार है। सरकार यदि जनआंदोलनों को दमन के जरिए दबाने का प्रयास करेगी तो कांग्रेस पार्टी सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र गिरफ्तार कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रिहा नहीं किया गया तो पार्टी आमरण अनशन एवं उग्र आंदोलन शुरू करेगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। धरना-प्रदर्शन में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी, पार्षद, एनएसयूआई एवं अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदर्शन के दौरान सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की गई।

विद्यार्थियो ने दी कक्षा 12 वीं की अंग्रेजी विषय की परीक्षा

शहडोल। जिला शिक्षा अधिकारी अमरनाथ सिंह ने जानकारी दी है कि माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा आयोजित परीक्षा के प्रथम दिन कक्षा 12 वीं की बोर्ड परीक्षा में 7200 विद्यार्थियो ने परीक्षा दी। परीक्षा हेतु जिले में 59 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि 92 विद्यार्थी अनुपस्थित रहें, कोई भी नकल प्रकरण दर्ज नहीं किया गया।

फायलेरिया उन्मूलन की दिशा में बड़ा कदम, शुरू हुआ सामूहिक दवा सेवन अभियान

अभियान का शुभारंभ माता शबरी शासकीय कन्या परिसर, कंचनपुर में किया गया

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

फायलेरिया हाथी पांव जैसी गंभीर बीमारी के नियंत्रण एवं उन्मूलन के उद्देश्य से विकासखंड सोहागपुर के समस्त ग्रामों में 10 फरवरी से 24 फरवरी तक सामूहिक दवा सेवन एम.डी.ए. अभियान का संचालन किया जाएगा। अभियान का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक जैतपुर जयसिंह मरावी तथा कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की अध्यक्षता एवं विशिष्ट अतिथि श्री अर्जुन सोनी की उपस्थिति में माता शबरी शासकीय कन्या परिसर, कंचनपुर में संपन्न हुआ। अतिथियों ने स्वयं दवा का सेवन कर अभियान की शुरुआत की तथा आमजन से दवा सेवन की अपील की। विधायक जैतपुर जयसिंह मरावी ने कहा कि शासन द्वारा फायलेरिया बीमारी से आमजन की सुरक्षा हेतु यह विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत 10, 11 एवं 12 फरवरी को निर्धारित बूथों पर नागरिकों को फायलेरिया रोधी दवा का सेवन कराया जाएगा। 13 फरवरी को मॉप-अप राउंड के तहत बूथों पर छूटे हुए लोगों को दवा दी जाएगी। इसके पश्चात 14 फरवरी से 20 फरवरी तक स्वास्थ्य दलों द्वारा घर-घर जाकर दवा का सेवन कराया जाएगा, जबकि 21 से 24 फरवरी तक अंतिम मॉप-अप राउंड चलाया जाएगा। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने आमजन से अपील की है कि फायलेरिया रोधी अभियान के तहत बनाए गए बूथों में पहुंचकर दवाओं का सेवन अवश्य करें। आपने बताया कि यह बीमारी किसी भी व्यक्ति को हो सकती है, इसलिए 02 वर्ष से कम आयु के बच्चे, गर्भवती महिलाएं एवं गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को छोड़कर शेष सभी नागरिकों को निर्धारित मात्रा में डीईसी (डाय-एथाइल कार्बामैजीन) एवं एल्बेंडाजोल दवा का सेवन कराया जाएगा। दवा का सेवन खाली पेट नहीं करना है, तथा एल्बेंडाजोल की गोली चबाकर खानी अनिवार्य है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने बताया कि निर्धारित खुराक के अनुसार 02 से 05 वर्ष के बच्चों को 01 डीईसी . 01 एल्बेंडाजोल, 06 से 14 वर्ष के बच्चों को 02 डीईसी . 01 एल्बेंडाजोल, 15 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को 03 डीईसी 01 एल्बेंडाजोल, खिलाई जाएंगी। कार्यक्रम में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनंद राय सिन्हा, डॉ. सुनील स्थापक खंड चिकित्सा अधिकारी, सोहागपुर, डॉ. संतोष भार्गव स्टेट प्रतिनिधि, हनुमान प्रसाद नामदेव जिला मलेरिया अधिकारी, मनोज द्विवेदी डीपीएम, शिवशंकर शुक्ला जिला व्हीबीडी सलाहकार, रामगोपाल गुप्ता डीसीएम, रामचंद्र चतुर्वेदी प्रभारी एमटीएस, देवेन्द्र श्रीवास्तव प्राचार्य सहित सेक्टर सुपरवाइजर, सीएचओ, एएनएम, आशा, एमएसजी कार्यकर्ता एवं समस्त स्वास्थ्य विभाग का अमला उपस्थित रहा।

सुरक्षित इंटरनेट दिवस के अवसर पर आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

सुरक्षित इंटरनेट दिवस के अवसर पर संभागीय मुख्यालय शहडोल के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में इंटरनेट का उपयोग करते समय किस प्रकार सावधानी बरती जानी चाहिए, मजबूत पासवर्ड कैसे बनाए जाएं, फिशिंग जैसी ऑनलाइन धोखाधड़ी से कैसे बचा जा सकता है तथा ÷डिजिटल अरेस्ट÷ जैसा कोई वास्तविक कानूनी कॉन्सेप्ट नहीं होता। इसके साथ ही उन्होंने डीपफेक से बचाव, व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा एवं साइबर जागरूकता से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारियो से अवगत कराया गया। मेडिकल कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम के दौरान डीन डॉ. बी रामटेके, एनआईसी कार्यालय के डीआईओ मधुकर सिंह, ओम जायसवाल, अनिल गुप्ता सहित प्राचार्य, प्रोफेसर एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

वाणिज्य विभाग के विद्यार्थियों को दिया गया टैली प्राइम का व्यावहारिक प्रशिक्षण

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

पं. शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत अकाउंटिंग विद टैली प्राइम विषय पर पांच दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का शुभारंभ 2 फरवरी को हुआ एवं समापन विश्वविद्यालय परिसर में किया गया। यह प्रशिक्षण पूर्णतः हैंड्स-ऑन प्रैक्टिकल पद्धति पर आधारित रहा, जिसमें प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक सत्र संचालित किए गए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को आधुनिक लेखांकन प्रणाली और टैली सॉफ्टवेयर का व्यवहारिक ज्ञान प्रदान कर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाना रहा। प्रशिक्षण के दौरान कंपनी निर्माण, लेजर निर्माण, वाउचर एंट्री, कॉस्ट सेंटर, चेक कन्फिगरेशन, जीएसटी एवं इन्वेंट्री प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक प्रो प्रमोद पाण्डेय ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि व्यवहारिक ज्ञान विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर करता है। टैली जैसे सॉफ्टवेयर विद्यार्थियों को उद्योग एवं बाजार की वास्तविक आवश्यकताओं से जोड़ते हैं। परिसर प्रभारी प्रो. गीता सारफ ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ता है और वे भविष्य की व्यावसायिक चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनते हैं। कार्यक्रम संयोजक डॉ. अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि प्रशिक्षण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं रोजगारपरक सिद्ध होगा। प्रशिक्षण विषय विशेषज्ञ के रूप में संदीप सोनवानी (सीएसआरआईएएसपी, भोपाल) ने विद्यार्थियों को टैली प्राइम का गहन व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। नोडल अधिकारी डॉ. रचना दुबे ने कहा कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के कौशल विकास के लक्ष्य को साकार करने में सहायक सिद्ध होगा। कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. रजनी गौतम, डॉ. पूजा अहिरवार, सुमित मिश्रा सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं प्राध्यापक उपस्थित रहे।

मारपीट करने वाला आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। थाना धनपुरी क्षेत्र अंतर्गत मारपीट की घटना में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। फरियादी चेतन चौधरी, उम्र 50 वर्ष, निवासी ग्राम सैगिन ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि 8 फरवरी को ड्यूटी के दौरान स्टील की गिलास चोरी के आरोप को लेकर विवाद हुआ था। इसके अगले दिन 9 फरवरी की सुबह पम्प हाउस विलियस नंबर-01 धनपुरी में आरोपी छोटेलाल चौधरी ने गाली-गलौच करते हुए लोहे की पाइप से हमला किया, जिससे फरियादी के सिर एवं दाहिने हाथ की कलाई में चोट आई। आरोपी ने जान से मारने की धमकी भी दी।शिकायत पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

जैतपुर पुलिस की तत्परता से केरल से नाबालिग बालिका सुरक्षित बरामद

जैतपुर| संवाददाता
rashtrabaan.in

थाना जैतपुर क्षेत्र अंतर्गत लापता हुई नाबालिग बालिका को जैतपुर पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए केरल राज्य के इडुक्की जिले से सुरक्षित दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया है। पुलिस ने प्रेस नोट जारी कर बताया कि फरियादी द्वारा थाना जैतपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि उसकी 16 वर्षीय नाबालिग पुत्री 7 दिसंबर 2025 को घर से बिना बताए कहीं चली गई है। आसपास एवं रिश्तेदारी में तलाश करने के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिला। फरियादी ने आशंका जताई कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर भगा लिया है। रिपोर्ट पर थाना जैतपुर में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान जैतपुर पुलिस ने गंभीरता और सतर्कता के साथ कार्रवाई करते हुए दिनांक 7 फरवरी को अपहृत नाबालिग बालिका को केरल राज्य के इडुक्की जिले से सुरक्षित बरामद कर लिया। दस्तयाबी के उपरांत नाबालिग के परिजनों को सूचना दी गई और आवश्यक कार्रवाई के बाद बालिका को सकुशल परिजनों को सौंप दिया गया। इस सराहनीय कार्रवाई में निरीक्षक जयप्रकाश नारायण शर्मा, थाना प्रभारी जैतपुर के नेतृत्व में उप निरीक्षक इंद्रजीत मरावी, प्रधान आरक्षक नरेंद्र सिंह एवं महिला आरक्षक मालती लता पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जिले में संकल्प से समाधान अभियान के तहत प्राप्त हुए आवेदनों का किया गया निराकरण

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

पात्र हितग्राहियों को भारत सरकार एवं राज्य शासन की हितग्राहीमूलक योजनाओं एवं उन योजनाओं में जिनके लक्ष्य निर्धारित हैं, लक्ष्य अनुरूप लाभ एवं शासन द्वारा प्रदाय की जा रही सेवाओं का लाभ प्रदान करने के लिए प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन हेतु शासन द्वारा संकल्प से समाधान अभियान संचालित किया गया है। अभियान का प्रथम चरण में 12 जनवरी से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में दल गठित कर जन सामान्य से आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं। सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति ने बताया कि संकल्प से समाधान अभियान के तहत अभी तक जिले में 17937 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जनपद पंचायत ब्यौहारी में 1393 आवेदन, जयसिंहनगर जनपद में 3881 आवेदन, गोहपारू जनपद पंचायत में 1607 आवेदन, बुढ़ार जनपद पंचायत में 1510 आवेदन, सोहागपुर जनपद पंचायत में 2676 आवेदन, ब्यौहारी नगर परिषद में 1100 आवेदन, धनपुरी नगरपालिका में 2023 आवेदन, खांड़ नगर परिषद में 178 आवेदन तथा बकहो नगर परिषद में 859 आवेदन, बुढ़ार नगर परिषद में 170 आवेदन, शहडोल नगर पालिका में 2245, जयसिंहनगर नगर परिषद में 95 आवेदन प्राप्त हुए हैं। आपने अभियान के संचालन हेतु गठित दलों का भ्रमण कार्यक्रम निर्धारित कर प्रभावी रूप से घर-घर संपर्क कर आवेदन प्राप्त करने के निर्देश दिए हैं तथा संबंधित निकायों के अधिकारियों को दैनिक रूप से मानीटरिंग करने को कहा। प्राप्त आवेदनों में से जनपद पंचायत जयसिंहनगर में 3711, जनपद पंचायत सोहागपुर में 2402, आवेदनों का, जनपद पंचायत गोहपारू में 1075 आवेदन, जनपद पंचायत ब्यौहारी में 1388, जनपद पंचायत बुढ़ार में 1509 आवेदनो का तथा नगरपालिका शहडोल में 2125 आवेदन, धनपुरी नगरपालिका में 1993, आवेदन तथा नगर परिषद ब्यौहारी में 1035, बकहो नगर परिषद में859 , नगर परिषद जयसिंहनगर में 94, नगर परिषद बुढ़ार में 169 , नगर परिषद खाड में 95, आवेदनो का निराकरण किया जा चुका है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, बुधवार 11 फरवरी 2026

बैतूल राष्ट्रबाण

● मुलताई ● बैतूल बाजार ● आमला ● भैंसादंड ● सारणी ● बोरदई ● आठनेर

सूने आवास में लाखों की चोरी करने वाले पांच आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे

आरोपियों से साढ़े सात लाख रूपये का माल बरामद, मुख्य आरोपी रायसेन का निगरानी बदमाश

सारणी| संवाददाता
rashtrabaan.in

सूने आवास मे चोरी करने वाले पांच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार करने मे सफलता हासिल की है.बताया जाता है कि पुलिस अधीक्षक वीरेन्द्र जैन द्वारा जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, आदतन अपराधियों एवं गंभीर अपराधों में संलिप्त आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश जारी किए थे. टी आई जयपाल इवनाती ने कहा कि एसपी के जैन के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी एवं एसडीओपी सारणी सुश्री प्रिंयका करचाम के मार्गदर्शन में थाना सारणी पुलिस द्वारा क्षेत्र मे हुई चोरी कि घटना में संलिप्त 05 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है.

टीआई श्री इवनाती ने बताया कि 2 फ़रवरी को फरियादी सतीश पिता दयाराम धुर्वे उम्र 38 साल निवासी सतपुड़ा आईटीआई के पास थाना सारणी ने रिपोर्ट किया कि एक फ़रवरी 26 की रात करीब 01.00 बजे उसने अपने सूने घर क सीसीटीवी कैमरे चेक किया जिसमें दो चोर उसके घर के अंदर घुसकर चोरी करते दिखे बाद तुरंत फरियादी सारणी अपने घर आया तक तक अज्ञात चोर उसके घर में रखा एक सोने का गले का हार, एक जोड़ी सोने के कंगन, एक जोड़ी सोने के कान के झुमके, एक चांदी का कमरबंद, एक जोड़ी चांदी की पायल, एक जोड़ी चांदी की बिछिया, चांदी के सिक्के, 05 हाथ घड़ी और नगदी 01 लाख 05 हजार रुपए नही मिले जिन्हें कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गए, जिस पर थाना सारणी मे फरियादी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूध्द अप.क्र 31/26 धारा 305(ड्ड),331(4) बीएनएस का कायम कर विवेचना मे लिया गया । मामले की मे विवेचना आरोपी अनुराग पिता कुंजीलाल पस्तारिया उम्र 53 साल निवासी ग्राम भारकच्छ थाना बरेली जिला रायसेन हाल पता हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी नर्मदापुरम से पूछताछ करने पर बताया कि उसके साथ उसके साथ प्रवीण लांजीवार और कासिफ खान ने मिलकर फरियादी से घर से जेवरात चोरी करके अपने साथ ले गए थे, बाद मुख्य आरोपी कासिफ उर्फ सोहेल खान और प्रवीण लांजीवार को मंडीदीप रायसेन से गिरफ्तार किया, एवं जप्तशुदा सोने के गहने प्रवीण की मां चंद्रकला लांजीवार से एवं चांदी के जेवर यूसुफ उर्फ बिट्टू खान से जप्त कर उन्हें गिरफ्तार किया गया । प्रकरण की विवेचना के दौरान आरोपियों को दिनांक 09.02.2026 को गिरफ्तार किया एवं जिन्हें दिनांक 10.02.26 को माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया जाएगा ।

जेवर किए बरामद

आरोपिया चंद्रकला से एक सोने का गले का हार, एक जोड़ी सोने के कंगाल, एक जोड़ी सोने के कान के झुमके, अनुराग से एक चांदी का कमरबंद, तीन जोड़ी चांदी की बिछिया, एक जोड़ी चांदी के कड़े, चांदी का सिक्का, और घटना में प्रयुक्त स्प्लेंडर मोटर साइकिल और यूसुफ उर्फ बिट्टू से एक चांदी का कमरबंद, एक जोड़ी चांदी की मोटी पायल, एक जोड़ी चांदी की पायल, और कासिफ उर्फ सोहेल की यामाहा एफजेड मोटर साइकिल,04 मोबाइल फोन और 2 हाथ घड़ी बरामद किया है।

इनकी रही महत्वपूर्ण भूमिका

मामले का खुलासा करने मे थाना प्रभारी जयपाल इनवाती,निरीक्षक आबिद अंसारी अंगुल चिन्ह विशेषज्ञ,उपनिरीक्षक मनोज उईके चौकी प्रभारी पाथाखेड़ा, उनि नितिन उईके,प्रधान आरक्षक श्रीराम उईके आरक्षक सुभाष मंडलोई, राकेश करपे, मोहित भाटी, रवि मोहन दरसिमा,लक्ष्मी कश्यप, सायबर सेल से आरक्षक राजेंद्र, दीपेंद्र और बलराम शामिल है।

इन्हें किया गिरफ्तार

पकड़े गये आरोपी प्रवीण उर्फ अन्ना पिता भैयालाल लांजीवार उम्र 27 साल निवासी बगीचा कॉलोनी वार्ड क्र. 01 मंडीदीप जिला रायसेन,कासिफ उर्फ सोहेल पिता असलम खान उम्र 30 साल निवासी आयशर कंपनी के सामने थाना सतलापुर, मंडीदीप जिला रायसेन,अनुराग पिता कुंजीलाल पस्तारिया उम्र 53 साल निवासी ग्राम भारकच्छ थाना बरेली जिला रायसेन हाल पता हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी जिला नर्मदापुरम,यूसुफ उर्फ बिट्टू पिता नईम बेग उम्र 39 साल निवासी बंगाली कॉलोनी आदमगढ़ थाना कोतवाली जिला नर्मदापुरम,चंद्रकला पति भैयालाल लांजीवार उम्र 50 साल निवासी बगीचा कॉलोनी वार्ड क्र.01 मंडीदीप जिला रायसेन शामिल है।

एफआईआर के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

आमला-लादी सड़क की मांग कर रहे ग्रामीणों पर दर्ज हुआ था केस; उग्र आंदोलन की चेतावनी

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

बैतूल के आमला में सड़क निर्माण और सफाई व्यवस्था की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे ग्रामीणों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर दर्ज एफआईआर के विरोध में आज (मंगलवार) कांग्रेसियों ने प्रदर्शन किया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने रैली निकाली और थाने पहुंचकर कलेक्टर के नाम थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर ग्राम रतेड़ाकलां और तिरमहू के ग्रामीणों पर दर्ज केस वापस नहीं लिए गए, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम रतेड़ाकलां के ग्रामीण पिछले कई वर्षों से लादी-सारणी सड़क निर्माण की मांग कर रहे हैं। तीन साल पहले सड़क का भूमिपूजन हो चुका है, लेकिन अब तक कार्य शुरू नहीं हुआ। इसी उपेक्षा से नाराज होकर ग्रामीणों ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ शांतिपूर्ण तरीके से चक्काजाम किया था।

इन नेताओं पर दर्ज हुआ था केस

शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद पुलिस ने 6 फरवरी को कांग्रेस नेता जितेंद्र शर्मा, अर्जुन उईके, मनीराम कुमरे, दुर्गेश यादव, विजय पारधी, ओझा महाजन, मनोज यादव, राजेश सरिया, मुकेश यादव, राजू सीलू और जियालाल यादव के खिलाफ केस दर्ज किया था।

'भाजपा नेता भी थे शामिल, पर केस सिर्फ हम पर'

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि तिरमहू गांव में सफाई व्यवस्था की मांग कर रहे ग्रामीणों पर भी 7 फरवरी को कोटवार की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई। इसमें रविकांत उघड़े, संतोष वराठे, नितिन सारटकर, मनोज ठाकरे, भाऊराव सारटकर सहित छह लोग शामिल हैं। कांग्रेस का आरोप है कि दोनों प्रदर्शनों में कई भाजपा नेता भी शामिल थे, लेकिन एफआईआर सिर्फ कांग्रेसियों पर की गई। तिरमहू में एक स्कूली बच्चे का नाम भी एफआईआर में शामिल कर लिया गया है।

'प्रशासन अपना रहा दमनकारी रवैया'

कांग्रेस सेवादल विधानसभा प्रभारी जितेंद्र शर्मा ने कहा, 'जनता की बुनियादी मांग उठाना अपराध नहीं है, लेकिन प्रशासन दमनकारी रवैया अपना रहा है। जब तक सभी ग्रामीणों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर दर्ज प्रकरण वापस नहीं लिए जाते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।' आज हुए प्रदर्शन का नेतृत्व कांग्रेस नेता मनोज मालवे, विजेंद्र भावसार, मनोज देशमुख, जितेंद्र शर्मा, विजय पारदी, रविकांत उघड़े और महेंद्र सिंह परमार ने किया।

'नागिन' और 'टकली' गैंग का पर्दाफाश : कबाड़ बीनने के बहाने करती थीं रेकी, फिर सूने मकानों में चोरी; लाखों का माल जब्त

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

बैतूल कोतवाली पुलिस ने सूने मकानों को निशाना बनाने वाली तीन महिलाओं की गैंग को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने ओझाढाना इलाके से ग्रेसी उर्फ निशा (23), संजना उर्फ नागिन (21) और सुनिता उर्फ टकली (35) को पकड़ा है। इनके पास से लाखों रुपए कीमत के सोने-चांदी के जेवर और चोरी का अन्य सामान बरामद किया गया है। तीनों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि ये महिलाएं दिन में कबाड़ बीनने के बहाने शहर के अलग-अलग इलाकों में घूमती थीं। इस दौरान वे उन मकानों की रेकी करती थीं, जिनमें ताला लगा होता था। मौका पाकर रात में ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम देती थीं।

31 अक्टूबर को तोड़ा था ताला

आरोपियों ने 31 अक्टूबर की रात कृष्णपुरा टिकारी क्षेत्र में भवानी प्रसाद मालवीय के सूने मकान में चोरी की थी। फरियादी के घर कई दिनों से ताला लगा हुआ था। महिलाओं ने ताला तोड़कर घर का सामान साफ कर दिया था। पुलिस ने क्षेत्र की संदिग्ध महिलाओं से पूछताछ की, जिसके बाद इस गैंग का खुलासा हुआ।

एलईडी टीवी और जेवर बरामद

सख्ती से पूछताछ करने पर तीनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी का माल बरामद किया है। इसमें एलजी कंपनी की एलईडी टीवी, सोने की अंगूठियां, चांदी के सिक्के, करधन, पायल, मोती और पीतल-तांबे के बर्तन शामिल हैं।

पहले भी कर चुकी हैं अपराध

सूत्रों के मुताबिक, पकड़ी गई महिलाएं आदतन अपराधी हैं। वे पहले भी चोरी और नशे से जुड़े मामलों में शामिल रही हैं। पुलिस अब इनके अन्य वारदातों में शामिल होने की जांच कर रही है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष की कार्य प्रणाली से मुस्लिम नाराज

जिला अध्यक्ष को हटाने की मांग

सारणी| संवाददाता
rashtrabaan.in

कांग्रेस के जिला अध्यक्ष की कार्य प्रणाली से मुस्लिम नेता नाराज है. राष्ट्रीय एवं प्रदेश अध्यक्ष को पत्र लिखकर जिला कांग्रेस अध्यक्ष निलय डागा को हटाने की मांग की है. मुस्लिम नेताओं ने कहा कि जिला कांग्रेस अध्यक्ष कि कार्य प्रणाली के चलते जिले से लेकर ब्लॉक स्तर पर जमकर गुटबाजी चरम सीमा पर है. नवागत कांग्रेस के जिला अध्यक्ष भी गुटबाजी से संगठन को उभार नहीं पा रहे है. इतना ही नहीं गुटबाजी के चलते सभी समाज के नेताओं मे तालमेल नहीं बना पा रहे है.कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि जिला एवं ब्लाक स्तर पर नियुक्ति गुटबाजी के अनुरूप की जा रही है. उन्होंने कहा कि गुटबाजी के संतुलन बनाने के लिए पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे को जिले के छह ब्लॉक अध्यक्ष की जिम्मेदारी है. जिला अध्यक्ष निलय डागा ने भी छह ब्लाक अध्यक्ष अपने चहेते को बनाया है.

महाशिवरात्रि पर आखतवाड़ा के प्राचीन शिव मंदिर में 19 फरवरी को होंगा रुद्राभिषेक

बैतूल। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी ग्राम आखतवाड़ा में महाशिवरात्रि पर्व श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर खेड़ी से उत्तर दिशा में लगभग एक किलोमीटर दूर आखतवाड़ा स्थित प्राचीन शिव मंदिर में 19 फरवरी को प्रातः 9 बजे से रुद्राभिषेक किया जाएगा। भंडारा समिति के समर पटेल व संदीप राजपूत ने बताया कि पं नितिन मिश्रा द्वारा रुद्राभिषेक किया जाएगा। इसके पश्चात महाआरती संपन्न होगी। इसके बाद भंडारा प्रसादी का वितरण किया जाएगा। आयोजन में आसपास सहित दूर-दराज के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होंगे। समिति के सदस्य गोकुल सिंह चौहान, मोहन पटेल, हंसराज पटेल व करम पटेल ने क्षेत्रवासियों एवं श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर रुद्राभिषेक व भंडारा प्रसादी का लाभ लें।

जियो के ट्रांसफार्मर में रिटर्न करंट आने से लाइन मेन झूलसा, बैतूल किया रेफर

सारणी| संवाददाता
rashtrabaan.in

नगर के सेंट्रल बैंक के पास जियो के ट्रांसफार्मर में करंट आने से लाइनमेन बुरी तरह झूलस गया है. गंभीर रूप से घायल होने पर एमपीईबी हॉस्पिटल में प्राथामिक इलाज के बाद बैतूल रेफर किया है. मंगलवार को दोपहर 12 बजे के आसपास सेंट्रल बैंक के पास जियो कंपनी के ट्रांसफार्मर में मीटर लगाते समय अचानक रिटर्न करंट आने की वजह से बुरी तरह झूलस गया है. मौके पर काम करने वाले कर्मियों ने तत्काल एमपीईबी हॉस्पिटल मे प्राथमिक उपचार के बाद बैतूल भेजा गया है.बताया जाता है कि विद्युत कंपनी मे ठेके पर काम करने वाले शिवकुमार जियो कंपनी के ट्रांसफार्मर के पास स्मार्ट मीटर लगाते समय रिटर्न करंट आने कि वजह से पीठ एवं पैर बुरी तरह जल गया है. बताया जाता है जियो के ट्रांसफार्मर पर मीटर लगाने से पहले लाइन बंद कर दी थी. इसके बावजूद भी रिटर्न सप्लाई आने से लाइन मेन जल गया है. घटना की जानकारी मिलते ही ठेकेदार प्रदीप कुमार हॉस्पिटल पंहुच कर गंभीर रूप से घायल लाइन मेन से मुलाक़ात कर इलाज के लिए बैतूल लेकर गए है.

कंगला मांझी सरकार आजादी की लड़ाई का इतिहास है : कुंभदेव कांगे

बैतूल। शाहपुर ब्लॉक के ग्राम मालवर में आयोजित तीन दिवसीय सैनिक सम्मेलन में देश की सुरक्षा, आदिवासी समाज की पहचान और जमीन पर बढ़ते अवैध कब्जों को लेकर कंगला मांझी सरकार ने सीधे तौर पर सरकार और प्रशासन से जवाब मांगा। इस तीन दिवसीय सैनिक सम्मेलन में संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्ष राजमाता श्रीमती फुलवा देवी कांगे और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कुंभदेव कांगे की मौजूदगी ने आयोजन को राष्ट्रीय महत्व दे दिया। दिल्ली से आए प्रतिनिधि मंडल के साथ विशेष अतिथि जनपद पंचायत घोड़ाडोंगरी के अध्यक्ष राहुल उइके रहे।

बैतूल में नकल रोकने के लिए जैमर लगाए, जिले में चार उड़नदस्ते बनाए

बोर्ड परीक्षा के लिए संवेदनशील केंद्रों पर नेट बंद

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

बैतूल जिले में माध्यमिक शिक्षा मंडल की 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा मंगलवार से शुरू हो गई। परीक्षा के पहले दिन अंग्रेजी विषय का प्रश्नपत्र आयोजित किया गया। यह परीक्षा जिले के 110 परीक्षा केंद्रों पर हुई, जिसमें कुल 14,579 परीक्षार्थी शामिल हुए।

परीक्षा सुबह 9 बजे शुरू हुई। परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों को निर्देश दिए गए थे कि वे कम से कम एक घंटे पहले अपने-अपने परीक्षा केंद्र पर पहुंच जाएं, ताकि समय पर जांच और प्रवेश प्रक्रिया पूरी की जा सके।

परीक्षा की गोपनीयता बनाए रखने के लिए प्रश्नपत्र का बॉक्स परीक्षा कक्ष में केवल 5 मिनट पहले खोला गया। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि प्रश्नपत्र समय से पहले किसी के संपर्क में न आए।

संवेदनशील केंद्रों पर जैमर, मोबाइल नेटवर्क बंद

नकल की संभावना को रोकने के लिए शहर के चार अति संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर जैमर लगाए गए हैं। इन जैमर के कारण परीक्षा केंद्रों के आसपास मोबाइल नेटवर्क काम नहीं कर रहा है, जिससे मोबाइल के माध्यम से नकल पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके।

नकल रोकने के लिए दल सक्रिय

नकल रोकने के लिए मंडल स्तर पर व्यापक इंतजाम किए गए हैं। जिले में चार उड़नदस्ते बनाए गए हैं, जबकि ब्लॉक स्तर पर 10 निरीक्षण दल गठित किए गए हैं। ये दल लगातार परीक्षा केंद्रों पर निगरानी रख रहे हैं। इसके अलावा, एसडीएम, तहसीलदार और अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी लगातार परीक्षा केंद्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर रहे हैं, ताकि परीक्षा निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

परीक्षा केंद्रों के आसपास सख्ती

कलेक्टर द्वारा परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में लाउडस्पीकर के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है। साथ ही, परीक्षा केंद्रों के आसपास पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर भी रोक लगाई गई है, ताकि किसी तरह की अव्यवस्था या शोरगुल न हो। परीक्षा के सुचारु संचालन और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए प्रत्येक कक्षा में अधिकतम 20 विद्यार्थियों को बैठाने की व्यवस्था की गई है। इससे परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में कराई जा सकेगी और निगरानी भी प्रभावी रहेगी।

बृजभूषण पांडे बने जिला महासचिव

कांग्रेस ने बैतूल में चार ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किए

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से जिला स्तर पर नियुक्तियां की हैं। इसी क्रम में बैतूल जिले में जिला संगठन महासचिव और चार नए ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति की गई है। ये नियुक्तियां प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर हुई हैं।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता बृजभूषण पांडे को बैतूल जिले का जिला संगठन महासचिव बनाया गया है। उनकी नियुक्ति का आदेश प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महामंत्री और संगठन प्रभारी डॉ. संजय कामले ने जारी किया। इसके अतिरिक्त, प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी के अनुमोदन के बाद बैतूल जिले में नवीन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों की भी तत्काल प्रभाव से नियुक्ति की गई है।

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष निलय डागा की अनुशंसा पर जारी सूची के अनुसार, आमला से विजेन्द्र भावसार, सारणी से बटेश्वर भारती, सारणी ग्रामीण से ललित यादव और बोरदेही से महेश यादव को ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। पार्टी ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों से अपेक्षा की है कि वे राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी की मंशा के अनुरूप कार्य करेंगे।

उन्हें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की नीतियों, सिद्धांतों और संगठनात्मक अनुशासन का पालन करते हुए संगठन को ब्लॉक और जिला स्तर पर मजबूत बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने को कहा गया है। इन नियुक्तियों के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

लालबर्रा हिन्दू सम्मेलन में उमड़ा हिंदुत्व का जनसैलाब: साध्वी सरस्वती के ओजस्वी विचारों से समाज में होगा चेतना का प्रवाह

सम्मेलन से लव जिहाद, धर्मांतरण जैसी घटनाओं पर युवक- युवतियों व हिंदू समाज में आयेगी जन जागृति

लालबर्रा| संवाददाता
rashtrabaan.in

स्थानीय मुख्यालय स्थित उत्कृष्ट विद्यालय मैदान एवं सरस्वती ग्राउंड में 9 फरवरी सोमवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर एवं हिंदू सम्मेलन कराने की आवश्यकता पड़ने पर %सर्व हिंदू समाज% के तत्वाधान में एक विशाल हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में लालबर्रा क्षेत्र के कोने-कोने से हजारों की संख्या में युवा और मातृशक्ति शामिल हुए, जिससे पूरा क्षेत्र भगवामय नजर आया। सम्मेलन को सफल बनाने के लिए विभिन्न हिंदूवादी संगठनों के पदाधिकारी कार्यकर्ता सुबह से ही जुटे रहे। क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों से देशभक्ति गीतों की धुन पर टोलियों के रूप में मातृशक्ति व युवा आयोजन स्थल पहुंचे। कार्यक्रम का शुभारंभ संगीत पार्टी द्वारा प्रस्तुत राष्ट्रभक्ति गीतों और जय श्रीराम के नारों के साथ हुआ, जिसने उपस्थित जनसमूह में ऊर्जा भर दी। गौ माता व बछड़े का सभी हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ताओं द्वारा पूजन किया गया। नौ कन्याओं का भी पूजन किया गया। दोपहर 3 बजे कार्यक्रम स्थल पर साध्वी सरस्वती जी के आगमन पर उपस्थित जनसमूह में भारी उत्साह देखा गया। साध्वी सरस्वती सहित अन्य मंचासीन अतिथियों द्वारा भारत माता के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित कर भारत माता की जय कर सभी अतिथि मंचासीन हुए। इसके बाद अपने संबोधन में साध्वी जी ने प्रखर विचारों के माध्यम से समाज को अपनी जड़ों से जुड़ने और राष्ट्रहित में एकजुट होने का आह्वान किया।

ज्वलंत मुद्दों पर अतिथियों का उद्बोधन

मंच से नेहा दिनेश चौहान ने बौद्धिक उद्बोधन देते हुए लव जिहाद और धर्मांतरण जैसी कुरीतियों पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने युवाओं को अपनी बहनों और समाज की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर और सक्रिय रहने की शपथ दिलाई। वहीं, सिवनी के सह विभाग कार्यवाह विक्रांत साकरे ने वर्तमान परिदृश्य की व्याख्या करते हुए स्पष्ट किया कि आज के समय में हिंदू समाज को ऐसे सम्मेलनों के माध्यम से संगठित होने की आवश्यकता क्यों है?

स्कूली छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत व नाटक के माध्यम से हिंदू समाज को जागृत कर संगठित रहने का संदेश दिया

उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा व क्षेत्र के अन्य स्कूली बच्चों ने देशभक्ति गीत गाकर व वर्तमान परिदृश्य में लव जिहाद की बढ़ती घटनाओं पर एक नाटक प्रस्तुत कर हिंदू समाज के युवक- युवतियों को जगाने का संदेश दिया है, तो वहीं केशव इंग्लिश स्कूल वारासिवनी के छात्र-छात्राओं ने तत्कालीन समय में कट्टर हिंदूवादी राजाओं के साथ मुगल शासकों का युद्ध कैसे होता था और हमारे भारत देश के अन्य निकटवर्ती राज्यों के राजाओं की क्या भूमिका रहती थी, मुगल शासक हमारे देश में कैसे राज करते थे। इसे नाटक के माध्यम से प्रस्तुत कर हिंदू समाज को सदैव जागृत रहने और समय पर देश और धर्म की रक्षा के लिए वर्तमान परिस्थिति में देश हित में अच्छा करने के लिए संदेश दिया। तत्पश्चात सभी हिंदूवादी संगठनों सहित सर्व हिंदू समाज ने भारत माता की सामूहिक आरती की।

सांस्कृतिक चेतना और संगठन शक्ति से ही राष्ट्र का उत्थान संभव : साध्वी सरस्वती जी

हिंदू समाज को संगठित करने और सांस्कृतिक मूल्यों के पुनरुत्थान के उद्देश्य से आयोजित एक भव्य हिन्दू सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए सांस्कृतिक चेतना और संगठन पर विशेष जोर दिया गया। इस आयोजन का मुख्य लक्ष्य युवाओं को वर्तमान सामाजिक चुनौतियों के प्रति सचेत करना और उन्हें राष्ट्रहित में एकजुट करना था। अपने प्रखर संबोधन में मुख्य वक्ता साध्वी जी ने कहा कि समाज का अपनी जड़ों से कटना ही उसकी कमज़ोरी का सबसे बड़ा कारण है। उन्होंने स्व का बोध जागृत करने का आह्वान करते हुए कहा कि जब तक हम अपनी गौरवशाली परंपराओं का सम्मान नहीं करेंगे, तब तक एक सशक्त भारत की कल्पना अधूरी है। साध्वी जी ने सामाजिक समरसता को संगठन की आधारशिला बताया और जातिवाद से ऊपर उठकर एकजुट होने की अपील की। इसके साथ ही, कुटुंब प्रबोधन के माध्यम से परिवारों में संस्कारों के बीजारोपण और पर्यावरण संरक्षण को नागरिक कर्तव्य के रूप में अपनाने पर बल दिया गया। वर्तमान ज्वलंत मुद्दों पर बेबाकी से चर्चा करते हुए उन्होंने लव जिहाद जैसी कुरीतियों को समाज के लिए एक गंभीर खतरा बताया और बेटियों को वैचारिक रूप से सशक्त होने की सलाह दी। अभिभावकों से बहनों बेटियों की सुरक्षा के लिए सदैव सक्रिय रहने की बात कही है।अखंड भारत के संकल्प को दोहराते हुए उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी ऊर्जा राष्ट्र की एकता और अखंडता को बनाए रखने में लगाएं।

सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस ने बनाये रखी अपनी पैनी नजर

हिंदू सम्मेलन के आयोजन में साध्वी सरस्वती दीदी के आगमन और हजारों की संख्या में भीड़ को भांपते हुए प्रशासनिक अमला पुलिस प्रशासन पार्किंग व्यवस्था व कार्यक्रम स्थल सहित चप्पे-चप्पे पर अपनी पैनी नजर बनाए उपस्थित रहा। स्वास्थ्य अमला प्राथमिक उपचार के लिए उपस्थित रहा। तो वहीं कार्यकर्ता कार्यक्रम स्थल बैठक व्यवस्था, भोजन व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाने में निरंतर जुटे रहे। और कार्यक्रम सुव्यस्थित संपन्न हुआ।

गरिमामयी उपस्थिति

इस अवसर पर मंच पर संत गोपाल दास महाराज, श्रीमती पूजा दीपक चौधरी, हेमा मरावी सहित सर्व हिंदूवादी संगठनों के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी कार्यकर्ता, माताएं-बहनें, बच्चे, बुजुर्ग व युवा साथी हजारों की संख्या में उपस्थित रहे। आयोजन के समापन पर आयोजकों ने सम्मेलन की सफलता के लिए क्षेत्र की जनता और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। अंत में सभी ने भोजन प्रसाद ग्रहण कर अपने-अपने घरों के लिए प्रस्थान किया।

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई माता रमाई आंबेडकर जयंती

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

लांजी मुख्यालय के ग्राम चिखलामाली में त्रिरत्न बौद्ध विहार समिति के तत्वाधान में माता रमाई की 129 वी जयंती बड़े ही श्रद्धा और गौरव के साथ मनाई गई । कार्यक्रम के शुभारंभ मे बुद्ध वंदना और त्रिशरण पंचशील ग्रहण किया गया। जयंती समारोह के कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों सदस्यों व सामाजिक बंधुओ ने सर्वप्रथम बाबासाहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनका जयघोष किया तो वही माता रमा आई के छाया चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई।इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों एवं विभिन्न वक्ताओं ने अपने अपने विचार व्यक्त करते हुए माता रमा बाई के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि माता रमा बाई का जीवन बहुत ही त्यागपूर्ण, संघर्षपूर्ण साहस मय और बलिदान पूर्वक बीता है। उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज, खासतौर पर महिलाओं के उत्थान के लिए न्योछावर कर दिया। माता रमाई ने अपने चार बच्चों कि कुर्बानी इसीलिए दी ताकि समाज के करोड़ो बच्चे सुरक्षित भविष्य पा सके। बाबासाहेब जब विदेश में पढ़ रहे थे तब रमाई ने गोबर के उपले बेचकर घर चलाया लेकिन कभी बाबा साहेब की पढ़ाई में बाधा नहीं आने दी। उनका त्याग ही बाबा साहेब की असली शक्ति थी। आज की शिक्षित महिलाओ को माता रमाई के धैर्य, संकल्प और संयम को अपने जीवन में उतारना चाहिए।आज जयंती विशेष पर उन्ही को याद किया जा रहा है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्राम चिखलमाली सरपंच कुमार जी पंधरे, पूर्व सरपंच गोरेलाल जी राहंगडाले, त्रिरत्न बौद्ध विहार समिति के अध्यक्ष शिशुपाल जी बंसोड , समिति के उपाध्यक्ष राजेश जी बागड़े, प्रशान्त बंसोड़ तथा समिती के सभी सदस्यों का विशेष योगदान रहा। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बौद्ध उपासक उपासिकाएं एवं ग्रामीणजनों की मौजूदगी रही।

वारासिवनी वार्ड नंबर 3 में नाली में मिली 35 वर्षीय युवक की लाश

मोहल्ले में मचा हड़कंप

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट जिले के वारासिवनी थाना क्षेत्र अंतर्गत नगर के वार्ड नंबर 3 में नाली में एक युवक का शव मंगलवार की सुबह दिखाई दिया, जिससे आसपास क्षेत्र में सनसनी फैल गई। प्राप्त जानकारी अनुसार मृतक की पहचान योगेश दुबे पिता मुकुंद दुबे उम्र 35 वर्षीय के रूप में हुई जो कि वार्ड नंबर 3 वारासिवनी जिला बालाघाट निवासी है, मृतक युवक घर पर अकेले रहता था, जिसकी शादी हो चुकी थी और कुछ समय पूर्व तलाक भी हो गया था। वहीं 9 फरवरी को रात 11 बजे घर जाते समय अधिक रात्रि हो जाने से अनियंत्रित होने से नाली में पैर फिसलकर गिरने के कारण मौत होने का अंदेशा लगाया जा रहा है, या किसी अज्ञात द्वारा हत्या कर नाली में फेंक दिया गया हो, किस

कारण मौत हुई होगी पीएम रिपोर्ट आने तक कुछ भी कहना अभी स्पष्ट नहीं है। वहीं वारासिवनी पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थानीय जनों की मौजूदगी में आवश्यक पंचनामा कार्यवाही कर मर्ग कायम कर लिया है। मृत्यु का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। डाक्टर द्वारा मृतक योगेश दुबे के शव का पीएम कराकर उसका शव परिजनों को सौंप दिया है। मामले में पुलिस जाँच कर रही है।

बिजली समस्याओं को लेकर किसान गर्जना संगठन का ऐलान

कल किया जायेगा पावर हाउस भरवेली का घेराव

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

किसानों को हो रही लगातार बिजली समस्याओं के विरोध में किसान गर्जना संगठन द्वारा बड़ा आंदोलन करने का निर्णय किया गया है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद चौधरी के आव्हान पर बुधवार 11 फरवरी को पावर हाउस भरवेली का घेराव किया जायेगा। यह आंदोलन किसानों को दिन में मात्र 10 घंटे बिजली आपूर्ति, दो शिफ्ट में दी जा रही बिजली व्यवस्था, बार बार की जा रही अघोषित कटौती तथा पुराने और खराब ट्रांसफार्मरों की समस्या के विरोध में किया जा रहा है। किसानों का कहना है कि वर्तमान में लागू दो शिफ्ट की बिजली व्यवस्था से कृषि कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। समय पर सिंचाई न हो पाने से फसलों को नुकसान उठाना पड़ रहा है, जिससे किसानों की लागत बढ़ रही है और उत्पादन पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। किसानों ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि इस प्रकार की व्यवस्था किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। किसान गर्जना संगठन की प्रमुख मांगो में किसानों को एक समान, पर्याप्त और सुचारू रूप से बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराना, क्षेत्र में लगे पुराने व खराब ट्रांसफार्मरों को तत्काल बदलकर नए ट्रांसफार्मर लगाना, तथा अनावश्यक और बार बार की जा रही बिजली कटौती पर रोक लगाना शामिल हैं। संगठन का कहना हैं कि यदि इन समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा । यह घेराव कार्यक्रम 11 फरवरी बुधवार को दोपहर 12 बजे, सुरवाही फीडर के अंतर्गत आने वाले पावर हाउस भरवेली परिसर में आयोजित किया जाएगा । किसान गर्जना संगठन के नेतृत्व में यह आंदोलन शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न किया जायेगा।

लापरवाही से बाइक चलाकर जान लेने वाले आरोपी को एक वर्ष का कारावास

मालिक पर भी लगा जुर्माना

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

न्यायालय नेहा ठाकुर, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कटंगी ने एक महत्वपूर्ण फैसले में लापरवाही से वाहन चलाकर मृत्यु कारित करने वाले आरोपी को सजा सुनाई है। न्यायालय ने आरोपी को एक वर्ष के कठोर कारावास और आर्थिक दंड से दंडित किया है। घटना दिनांक 8 नवंबर 2019 की रात करीब 11.30 बजे की है। ग्राम लोहमारा निवासी प्रमोद वाघाड़े खाना खाकर घर के सामने सड़क पर टहल रहे थे। इसी दौरान आरोपी दीलेंद्र कावरे ने अपनी मोटरसाइकिल एमपी 50 एमआर 1060 को तेज गति और लापरवाही से चलाते हुए प्रमोद को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि राहगीरों द्वारा

अस्पताल ले जाते समय प्रमोद की मृत्यु हो गई। घटना के बाद आरोपी चालक मौके पर ही अपनी मोटरसाइकिल छोड़कर फरार हो गया था। अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों और तर्कों से सहमत होते हुए न्यायालय ने सजा सुनाई है। जिसने आरोपी चालक दीलेंद्र कावरे को धारा 304 भा.दं.वि. के तहत 01 वर्ष का कठोर कारावास और 1000 रुपये जुर्माना। साथ ही धारा 3/181 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत 5000 रुपये का अर्थदंड। वही वाहन मालिक कन्हैया पंचेश्वर को बिना लाइसेंस वाले व्यक्ति को वाहन चलाने देने के अपराध में धारा 5/180 एम.वी. एक्ट 5000 रुपये का अर्थदंड लगाया गया।

सलाखों के पीछे पहुंचे शातिर अपराधी

कटंगी पुलिस ने ढाया बैटरी चोरों पर कहर

कटंगी| संवाददाता
rashtrabaan.in

क्षेत्र में किसानों की नींद उड़ाने वाले बैटरी चोरों के गिरोह का कटंगी पुलिस ने न केवल पर्दाफाश किया है, बल्कि यह भी साबित कर दिया है कि अपराधी चाहे कितना भी शातिर क्यों न हो, कानून के लंबे हाथों से बच नहीं सकता। थाना प्रभारी धर्मेन्द्र कुशराम के नेतृत्व में पुलिस टीम ने महज 72 घंटों के भीतर आरोपियों को दबोचकर जेल की राह दिखा दी है। फरवरी की शुरुआत में चोरों ने दुस्साहस दिखाते हुए ग्राम पाथरवाडा, कामठी और खैरलाजी को अपना निशाना बनाया था। किसान सुरेश साहू सहित अन्य

ग्रामीणों के ट्रैक्टरों से कुल 06 बैटरियां पार कर दी गई थीं। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए धारा 303(2)क्व्हस्र के तहत मामला दर्ज किया। वही पुलिस अधीक्षक बालाघाट के सख्त निर्देशों और एसडीओपी कटंगी के कुशल मार्गदर्शन में गठित टीम ने जाल बिछाया। साथ ही मुखबिरों के सक्रिय होते ही चोरों की चालाकी धरी की धरी रह गई और पुलिस ने घेराबंदी कर गिरोह के मुख्य मोहरों को धर दबोचा। वही पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपी कोई पेशेवर अपराधी नहीं, बल्कि कम उम्र के वे युवा हैं जिन्होंने चंद रुपयों के लालच में अपराध का रास्ता चुना जिसमें अरविंद मडावी (23) निवासी कामठी, पवन ठाकरे (22) निवासी खैरलाजी, एक विधि विरुद्ध नाबालिग बालक। जिनके पास से पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई 06 बैटरियां और वारदात में इस्तेमाल की गई दो मोटरसाइकिलें जब्त की हैं। इस सफल ऑपरेशन में थाना प्रभारी धर्मेन्द्र कुशराम के साथ सउनि पीएम अहाके, कपूरचंद बिसेन, प्रधान आरक्षक प्रशांत चौधरी, अनिल चौके, संदीप ठवरे, शिशुपाल बघेल, भागवंता बरकडे और आरक्षक नीरज सनोडिया, शिवम बघेल, गोविंद चौहान, प्रदीप चित्रिव, अनिल तिवारी व सुनैरी बघेल का सराहनीय योगदान रहा।

अमृत मित्रों के साथ वारासिवनी नगर में आयोजित हुई जलसुनवाई, पेयजल की गुणवत्ता जांची गई

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

शासन के निर्देशानुसार नगरपालिका परिषद वारासिवनी द्वारा नगर क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति की नियमित निगरानी एवं निरीक्षण का कार्य निरंतर जारी है। इसी कड़ी में मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री सूर्यप्रकाश उके के निर्देशन में नगर के सभी वार्डों में नागरिकों को स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रति सप्ताह मंगलवार को ÷जलसुनवाई÷ का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज 10 फरवरी 2026 को नगर के समस्त वार्डों में जलसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री उके की उपस्थिति में नागरिकों से पेयजल आपूर्ति एवं गुणवत्ता से संबंधित समस्याएँ सुनी गईं और उनका त्वरित निराकरण करने के प्रयास किए गए। जलसुनवाई के दौरान निकाय में पंजीकृत चयनित स्व-सहायता समूह की महिलाओं को अमृत मित्र के रूप में साथ लेकर जलावर्धन योजना के अंतर्गत सप्लाई किए जा रहे पानी की गुणवत्ता की मौके पर ही वॉटर टेस्टिंग किट से जांच की गई। जांच में पानी के पी.एच., टर्बिडिटी, हार्डनेस एवं क्लोराइड स्तर की परख की गई, जिसमें निकाय द्वारा प्रदाय किए जा रहे पानी की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुरूप पाई गई। मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री सूर्यप्रकाश उके ने बताया कि नगरवासियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना नगरपालिका की प्राथमिकता है और इस दिशा में हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से भी अपील की कि वे पेयजल से संबंधित किसी भी समस्या की जानकारी जलसुनवाई के माध्यम से प्रशासन तक पहुँचाएँ।

राष्ट्रबाण
सिवनी, बुधवार 11 फरवरी 2026

सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

सिवनी के ग्राम पंचायत बम्हनी में मुरम चोरों का आतंक

शासकीय भूमि की मुरम में खनन माफिया का कब्जा

सिवनी मुख्यालय से मात्र 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत बम्हनी में मुरम चोरी का बड़ा खेल जोरों पर चल रहा है। स्थानीय खनन माफिया द्वारा लाखों रुपए की रॉयल्टी की चोरी कर मुरम का अवैध उत्खनन किया जा रहा है। इस मामले में सरपंच और उपसरपंच के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है, वहीं खनिज विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

सिवनी जिले ग्राम पंचायत बम्हनी में मुरम माफिया का अवैध खनन, अधिकारियों की आंखों में धूल झोंकने का मामला!

सिवनी | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

सिवनी जिले के ग्राम पंचायत बम्हनी में खनन माफियाओं द्वारा मुरम का अवैध उत्खनन बड़े पैमाने पर किया जा रहा है, जिससे न केवल पंचायत को नुकसान हो रहा है बल्कि लाखों रुपए की रॉयल्टी भी चोरी की जा रही है। बम्हनी में यह अवैध गतिविधियां एक संगठित अपराध की तरह चल रही हैं, जिसमें खनन माफिया के हाथों में ग्रामीण क्षेत्रों की मुरम की जमीनें समर्पित हो गई हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि मुरम की यह चोरी माफिया द्वारा बड़ी मात्रा में की जा रही है, और इसकी जानकारी ग्राम पंचायत के कुछ जिम्मेदारों तक भी पहुंच चुकी है। लेकिन, इन पर कोई ठोस कार्रवाई होती नहीं दिखाई दे रही। सरपंच शिवकरण डेहरिया ने इस मामले में अपनी ओर से बयान दिया कि सड़क में मुरम डालने के लिए काम किया गया है, लेकिन उपसरपंच बबलू दास चंद्रवंशी ने आरोप लगाया है कि सरपंच और सचिव की सांठगांठ के चलते यह मुरम माफियाओं द्वारा बड़े पैमाने पर अवैध रूप से उत्खनन किया जा रहा है।

उपसरपंच ने कहा, 'मैंने इस मुद्दे को लेकर अधिकारियों से कई बार शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। यह पूरी तरह से संगठित तरीके से माफियाओं द्वारा चलाया जा रहा धंधा है।' हालांकि, जब इस मामले पर 'राष्ट्रबाण' ने खनिज विभाग से संपर्क किया तो खनिज इंस्पेक्टर मुकेश वाड़ीवा ने इस बारे में जानकारी होने से इंकार किया। उन्होंने कहा, 'मुझे इस मामले में कोई जानकारी नहीं है, और न ही इस पर कोई कार्रवाई की गई है।'

आरोप है कि मुरम माफिया ने गांव में बेतहाशा खनन कर न केवल सरकार की लाखों रुपये की रॉयल्टी का घोटाला किया है, बल्कि शासकीय जमीन को खोखला कर उसका नुकसान किया है। यह अवैध खनन ग्राम पंचायत बम्हनी के लिए खतरे की घंटी साबित हो सकता है। ग्रामवासियों का कहना है कि प्रशासन की अनदेखी से खनन माफिया का मनोबल बढ़ा है और वे खुलेआम खनन कार्य कर रहे हैं।

यह वह शासकीय जमीन जहां हुआ बड़ी मात्रा में अवैध खनन।

सड़क निर्माण में हुई धोखाधड़ी

सरपंच शिवकरण डेहरिया ने दावा किया कि सड़क निर्माण के लिए मुरम डालने का काम किया गया था, लेकिन जब इस मुद्दे पर उपसरपंच बबलू दास चंद्रवंशी से बात की गई तो उन्होंने आरोप लगाया कि मुरम माफियाओं को साजिशन मदद दी जा रही है। उनका कहना था, 'सरपंच और सचिव ने माफिया के साथ मिलकर इस अवैध उत्खनन को बढ़ावा दिया है, ताकि वे खुद लाभ उठा सकें।'

शिवकरण डेहरिया, सरपंच : मुरम माफियाओं का बना संरक्षक?

खनिज विभाग की ओर से कोई कदम नहीं

राष्ट्रबाण ने इस मामले पर खनिज विभाग से जानकारी लेने के लिए संपर्क किया। खनिज इंस्पेक्टर मुकेश वाड़ीवा ने मामले पर कोई भी जानकारी देने से इंकार कर दिया और कहा कि उन्हें इस मुद्दे के बारे में कुछ नहीं पता है। वहीं, प्रशासन के ढीले रवैये के कारण माफिया का मनोबल और बढ़ गया है। इस मामले को लेकर ग्रामीणों में असंतोष गहराता जा रहा है। वे अब प्रशासन से उम्मीद लगाए बैठे हैं कि जल्द ही इस अवैध खनन पर रोक लगेगी और मुरम माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बबलू दास चंद्रवंशी, उपसरपंच : पंचायत को लुट रहे खनन माफिया।

सिवनी में रेस्टोरेंट्स पर खाद्य विभाग की चैकिंग

कलेक्ट्रेट कैंटीन में मिली गंदगी, सुधार के लिए दिया नोटिस; सैंपल की मौके पर जांच

सिवनी | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

सिवनी जिले में खाद्य पदार्थों की शुद्धता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने शहर के कई नामी रेस्टोरेंट और कैंटीन का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्ट्रेट परिसर स्थित विमल जैन कैंटीन में भारी गंदगी मिलने पर संचालक को फटकार लगाते हुए सुधार नोटिस जारी किया गया है।

कलेक्ट्रेट कैंटीन में अस्वच्छता पर सख्त कार्रवाई

खाद्य सुरक्षा अधिकारी सोनू तिवारी ने बताया कि निरीक्षण के दौरान कलेक्ट्रेट परिसर स्थित विमल जैन कैंटीन (मेमोरियल सर्विस एसोसिएट) में हालात काफी खराब मिले। कैंटीन का रसोईघर बहुत गंदा था और खाद्य सामग्री का निर्माण अस्वच्छ परिस्थितियों में किया जा रहा था। इसके अलावा, कचरे के निपटान की भी कोई उचित व्यवस्था नहीं थी।

सैंपल की मौके पर हुई जांच

जांच दल ने शहर के अन्य प्रतिष्ठानों से भी खाद्य सामग्री के नमूने लिए। बाबरिया रोड स्थित एटमॉस्फेयर रेस्टोरेंट से बेसन और चावल, बारापत्थर स्थित अभिनंदन रेस्टोरेंट से पनीर और सूजी, तथा विमल जैन कैंटीन से नमकीन और मावा गुजिया के नमूने लिए गए। इन नमूनों की प्राथमिक जांच मौके पर ही मोबाइल लैब के जरिए की गई, ताकि नागरिकों को तत्काल गुणवत्ता का पता चल सके।

नियमों के उल्लंघन पर विभाग ने कैंटीन संचालक को 'इंप्रूवमेंट नोटिस' जारी कर तय समय में सुधार करने की चेतावनी दी है। सुधार न होने पर कैंटीन के खिलाफ कठोर कानूनी कदम उठाए जाएंगे।

अधिकारियों ने बताया कि इन निरीक्षणों का उद्देश्य केवल दंडात्मक कार्रवाई करना नहीं है, बल्कि दुकानदारों को स्वच्छता के मानकों के प्रति जागरूक करना भी है।

भूतपूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं आश्रितों की वार्षिक बैठक सम्पन्न

सिवनी | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

कलेक्टर एवं अध्यक्ष, जिला सैनिक कल्याण बोर्ड सिवनी श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में जिला सैनिक कल्याण बोर्ड सिवनी द्वारा भूतपूर्व सैनिकों, वीर नारियों, विधवाओं एवं उनके आश्रितों की वार्षिक बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों से संबंधित पेंशन, स्वास्थ्य सुविधाएं, रोजगार, पुनर्वास, शासकीय योजनाओं का लाभ, शिक्षा सहायता एवं अन्य कल्याणकारी विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। उपस्थित भूतपूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं आश्रितों द्वारा प्रस्तुत लिखित समस्याओं एवं सुझावों पर कलेक्टर श्रीमती पटले ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों को प्राथमिकता के आधार पर निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती पटले ने कहा कि भूतपूर्व सैनिकों द्वारा राष्ट्र सेवा में दिए गए योगदान को सदैव सम्मान के साथ स्मरण किया जाएगा तथा शासन द्वारा संचालित सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने जिला सैनिक कल्याण कार्यालय को भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं के निराकरण हेतु नियमित समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल अमरेन्द्र कुमार दास ने बैठक की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं सुविधाओं की जानकारी दी।

सिवनी में पानी के लिए सड़क पर उतरे ग्रामीण

महिलाओं ने पंचवटी चौराहे पर लगाया जाम; अधिकारियों की समझाइश पर खोला रास्ता

सिवनी | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

सिवनी जिले के ग्राम जोगीगुफा अंतर्गत आने वाले पायली गांव में पेयजल संकट है। पीने के पानी की बूंद-बूंद को तरस रहे ग्रामीणों ने पंचवटी से सुनवारा जाने वाले मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। इस विरोध प्रदर्शन के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गईं और यातायात बाधित रहा।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव के सभी हैंडपंप और जलस्रोत पूरी तरह सूख चुके हैं। पीने के पानी के लिए महिलाओं को कोसों दूर भटकना पड़ रहा है। इसी समस्या से आक्रोशित होकर 100 से अधिक ग्रामीण, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल थीं, पंचवटी चौराहे पर धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और जल्द से जल्द पानी की व्यवस्था करने की मांग उठाई। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि वे इस समस्या को लेकर कई बार जनसुनवाई में शिकायत कर चुके हैं। पूर्व में सिवनी कलेक्टर और जिला पंचायत अध्यक्ष मालती मुकेश डेहरिया ने भी गांव का दौरा कर जल्द समाधान का भरोसा दिलाया था। ग्रामीणों का आरोप है कि महीनों बीत जाने के बाद भी जमीनी स्तर पर कोई काम नहीं हुआ, जिससे उनकी परेशानी कम होने के बजाय बढ़ती जा रही है।

अधिकारियों के समझाने पर खोला रास्ता

चक्का जाम की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम, ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों से लंबी चर्चा की और उन्हें विश्वास दिलाया कि पेयजल की समस्या को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाएगा। प्रशासनिक अधिकारियों के ठोस आश्वासन के बाद ग्रामीण सड़क से हटे और यातायात बहाल हो सका। हालांकि, ग्रामीणों ने प्रशासन को दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि अगले कुछ दिनों में पानी की स्थायी व्यवस्था नहीं हुई, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे। फिलहाल प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

81 परीक्षा केन्द्रों में व्यवस्थित रूप से सम्पन्न परीक्षा

सिवनी | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

जिला शिक्षा अधिकारी सिवनी द्वारा जानाकारी देकर बताया गया कि माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा आयोजित हाईस्कूल/हायरसेकेण्डरी मुख्य परीक्षा वर्ष 2025-26 अंतर्गत जिले के कुल 84 परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षाएं 10 फरवरी से 07 मार्च तक प्रातः 09:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में मंगलवार 10 फरवरी को हायरसेकेण्डरी परीक्षा अंतर्गत विषय अंग्रेजी की परीक्षा जिले के 81 परीक्षा केन्द्रों पर सम्पन्न हुई। परीक्षा में कुल पंजीकृत परीक्षार्थी 9975 में से 9876 परीक्षार्थी उपस्थित रहे तथा 99 परीक्षार्थी अनुपस्थित पाए गए। परीक्षा के दौरान नकल प्रकरण निरंक पाया गया।

उन्होंने बताया कि माध्यमिक शिक्षा मण्डल म.प्र. भोपाल द्वारा आयोजित परीक्षा वर्ष 2025-26 के लिए कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, जिला सिवनी में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कंट्रोल रूम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सिवनी के नोडल अधिकारी प्रतिनिधि के रूप में श्री संदीप ठाकुर एवं शिवम यादव तथा जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के प्रतिनिधि के रूप में बी.डी. नोगधे उ.मा.शि. एवं श्री अय्यूब खान उ.मा.शि. द्वारा जिले के समस्त परीक्षा केन्द्रों की गतिविधियों की जानकारी वरिष्ठ कार्यालय को प्रेषित की गई।

परीक्षा की निगरानी हेतु गठित जिलास्तरीय दल जिसमें श्री एस.एस. कुमरे, जिला शिक्षा अधिकारी, आर.पी. पाटिल, सहायक संचालक, श्रीमती सुनीता ओसवाल, प्राचार्य एवं श्रीमती प्रतिक्षा मानगडे उ.मा.शि. द्वारा सी.एम. राइज शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय घंसौर अन्य ने निरीक्षण किया।

कलेक्टर से कार्रवाई की मांग की, कहा- पानी जमा होने से फैल रही बीमारियां

ग्रामीण अधूरे रोड-नाली निर्माण, अतिक्रमण से परेशान

सिवनी | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

सिवनी जिले की केवलारी नगर पालिका के वार्ड नंबर 2 (देवकरनटोला टैगोर) के लोग मंगलवार को कलेक्टर दफ्तर पहुंचे। ग्रामीणों ने अधूरे रोड और नाली निर्माण को लेकर ज्ञापन सौंपा और सरकारी काम में अड़ंगा डालने वालों पर कार्रवाई की मांग की।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क और नाली का काम अधूरा होने की वजह से पूरे इलाके में कीचड़ और पानी भरा रहता है। इससे बच्चों और बुजुर्गों का निकलना दूभर हो गया है। साथ ही, जमा पानी की वजह से डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों के फैलने का खतरा भी बढ़ गया है।

अतिक्रमण की वजह से रुका काम: ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि वार्ड की सरकारी जमीन पर दो लोगों ने मंदिर और मकान का अवैध निर्माण कर लिया है। इसी अतिक्रमण की वजह से काम रुका हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि जब भी ठेकेदार काम शुरू करने की कोशिश करता है, तो ये लोग दबाव बनाकर उसे रुकवा देते हैं।

दबंगई और शिकायतों पर सुनवाई नहीं

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि नगर परिषद की एक महिला कर्मचारी के पति द्वारा लोगों के साथ गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार किया जाता है। लोगों में इस बात को लेकर नाराजगी है कि सीएम हेल्पलाइन पर करीब 35 बार शिकायत करने के बाद भी अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

प्रशासन से गुहार

ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांग की है कि मौके पर जांच कराकर अवैध कब्जे हटाए जाएं। साथ ही, सरकारी काम में रुकावट डालने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जाए ताकि सड़क और नाली का निर्माण जल्द से जल्द पूरा हो सके।

कप्यूटर वर्ल्ड
सेल्स एंड सर्विस
लैपटॉप, कम्प्यूटर, सी.सी.टी.वी कैमरा, होम थियेटर, प्रिंटर, लेमिनेशन, फोटो कॉपियर, नेटवर्किंग, प्रोजेक्टर, कॉर्टरेज रिफलिंग

संपूर्ण कम्प्यूटर ऐससरीज उपलब्ध
पुराने कम्प्यूटर व लैपटॉप उपलब्ध

संपर्क- बैनगंगा कॉम्प्लेक्स, बस स्टैंड, सिवनी, मो.न.-9302833332

ARPIT TVS
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे
7898723789
Infront of Reliance Petrol-pump, Jabalpur Road, Jyarat Naka, Seoni 480661 (M.P)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433